

मसीह के स्वर्ग में लौटने के बाद का समय चर्च



Randolph Dunn

Time After Christ

You are encouraged to study your Bible to prove the truth presented in these lessons or any other lesson. The comments presented herein are those of the authors and the compiler. You should verify their comments and opinions and teachings by others; e.g., a pastor, preacher, priest, rabbi, commentator, or publisher as it is YOUR responsibility to seek, know and do God's will.

In verifying to read different Bible translations, refer to Bible dictionaries and lexicons for meaning of words or phrases you do not know. Be careful with dictionary definitions as dictionaries give meaning of words and phrases from original language through current usage.

The meaning of words and phrases change over time. Also, several Greek words may be translated into one word in English and may distort the original meaning. For instance, the Greek words *de* and *kai* were translated as "and" in English. *De* is used to separate two nouns whereas *kai* connects two nouns.

Let God speak to you from His Holy Word as recorded in the Bible.



International Bible Knowledge Institute

IBKI grants permission to reproduce for non-commercial purposes lessons in their entirety without change or charge.

Randolph Dunn, President - Roberto Santiago, Dean

Visit our website Thebibleway.net

Contact us at info.India.IBKI@gmail.com

मसीह के स्वर्ग में लौटने के बाद का समय चर्च

इन पाठों या किसी अन्य पाठ में प्रस्तुत सत्य को साबित करने के लिए आपको अपनी बाइबल का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यहाँ प्रस्तुत टिप्पणियाँ लेखकों और संकलनकर्ताओं की हैं। आपको दूसरों द्वारा उनकी टिप्पणियों और राय और शिक्षाओं को सत्यापित करना चाहिए; उदाहरण के लिए, एक पादरी, उपदेशक, पुजारी, रब्बी, टिप्पणीकार, या प्रकाशक क्योंकि यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप परमेश्वर की इच्छा को खोजें, जानें और करें।

विभिन्न बाइबल अनुवादों को पढ़ने के लिए सत्यापित करने में, उन शब्दों या वाक्यांशों के अर्थ के लिए बाइबल शब्दकोश और शब्दकोष देखें जिन्हें आप नहीं जानते हैं। शब्दकोश परिभाषाओं से सावधान रहें क्योंकि शब्दकोश वर्तमान उपयोग के माध्यम से मूल भाषा से शब्दों और वाक्यांशों का अर्थ देते हैं।

समय के साथ शब्दों और वाक्यांशों के अर्थ बदल जाते हैं। इसके अलावा, कई ग्रीक शब्दों का अंग्रेजी में एक शब्द में अनुवाद किया जा सकता है और मूल अर्थ को विकृत कर सकता है। उदाहरण के लिए, ग्रीक शब्द डे और काई का अंग्रेजी में "और" के रूप में अनुवाद किया गया था। डे दो संज्ञाओं को अलग करने के लिए प्रयोग किया जाता है जबकि काई दो संज्ञाओं को जोड़ता है।

परमेश्वर को अपने पवित्र वचन से आप से बात करने दें जैसा कि बाइबल में दर्ज है।



अंतर्राष्ट्रीय बाइबिल ज्ञान संस्थान IBKI बिना किसी परिवर्तन या शुल्क के गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के पाठों को उनकी संपूर्णता में पुनः पेश करने की अनुमति देता है। रैंडोल्फ़ डन, राष्ट्रपति - रॉबर्टो सैंटियागो, डीन हमारी वेबसाइट Thebibleway.net पर जाएँ हमसे info.India.IBKI@gmail.com पर संपर्क करें

People Added to the Church Christ Established

Lesson 1

First Members

Before Jesus returned to Heaven to be with the Father, "He told them (His apostles), 'This is what is written: The Christ will suffer and rise from the dead on the third day, and repentance and forgiveness of sins will be preached in his name to all nations, beginning at Jerusalem. You are witnesses of these things. I am going to send you what my Father has promised; but stay in the city until you have been clothed with power from on high.'" (Luke 24:46-49) ... "Then they returned to Jerusalem from the hill called the Mount of Olives, a Sabbath day's walk from the city." (Acts 1:12)

On Pentecost, 10 days following Jesus' ascension to Heaven, a group of 120 were in the upper room as Jesus had instructed. The Holy Spirit descended on them and immediately they were able to speak in languages (tongues) they did not know or understand. A crowd gathered so Peter told them about the Messiah that they had crucified and preached "repentance and forgiveness of sins."

Pentecost Day

To the Jews' question "Peter replied, 'Repent and be baptized, every one of you, in the name of Jesus Christ for the forgiveness of your sins. And you will receive the gift of the Holy Spirit. The promise is for you and your children and for all who are far off-for all whom the Lord our God will call'. With many other words he warned them; and he pleaded with them, 'Save yourselves from this corrupt generation'. Those who accepted his message were baptized, and about three thousand were added to their number that day." (Acts 2:38-41)

Samaritans and Simon

क्राइस्ट में जोड़े गए लोग स्थापित

पाठ 1

प्रथम सदस्य

पिता के साथ रहने के लिए यीशु के स्वर्ग में लौटने से पहले, "उसने उनसे (उनके प्रेरितों) से कहा, 'यह लिखा है: तीसरे दिन मसीह पीड़ित होगा और मृतकों में से जी उठेगा, और पश्चाताप और पापों की क्षमा का प्रचार किया जाएगा। यरूशलेम से आरम्भ करके सब जातियों के नाम उसके नाम से। तुम इन बातों के साक्षी हो। मैं अपने पिता की प्रतिज्ञा के अनुसार तुम्हें भेजूंगा, परन्तु जब तक तुम ऊपर से सामर्थ्य न पाओगे, तब तक इसी में रहो।" (लूका 24:46-49) ... "फिर वे जैतून पहाड़ नामक पहाड़ी से यरूशलेम को लौटे, जो नगर से सप्ताह के दिन की पैदल दूरी पर है।" (प्रेरितों 1:12)

पिन्तेकुस्त के दिन, यीशु के स्वर्गारोहण के 10 दिन बाद, 120 का एक समूह ऊपरी कमरे में था जैसा कि यीशु ने निर्देश दिया था। पवित्र आत्मा उन पर उतरा और वे तुरंत उन भाषाओं (भाषाओं) में बोलने में सक्षम हो गए जिन्हें वे नहीं जानते या समझते थे। एक भीड़ इकट्ठी हो गई इसलिए पतरस ने उन्हें मसीहा के बारे में बताया कि उन्होंने क्रूस पर चढ़ा दिया था और "पश्चाताप और पापों की क्षमा" का प्रचार किया था।

पेंटेकोस्ट दिवस

यहूदियों के प्रश्न के लिए "पतरस ने उत्तर दिया, 'पश्चाताप करो और तुम में से हर एक, अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा ले। और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे। वादा तुम्हारे और तुम्हारे बच्चों के लिए है, और उन सभी के लिए जो दूर हैं- उन सभी के लिए जिन्हें हमारा परमेश्वर यहोवा बुलाएगा'। उसने और भी बहुत से शब्दों से उन्हें चिताया; और उस ने उन से बिनती की, कि इस भ्रष्ट पीढ़ी से अपने आप को बचा ले। जिन लोगों ने उसका सन्देश ग्रहण किया, उन्होंने बपतिस्मा लिया, और उस दिन उनकी गिनती में कोई तीन हजार की संख्या बढ़ गई।" (प्रेरितों के काम 2:38-41)

सामरी और साइमन

"परन्तु जब उन्होंने फिलिप्पुस की प्रतीति की, जब वह परमेश्वर के राज्य और यीशु मसीह के नाम का सुसमाचार सुनाता था, तो क्या स्त्री क्या पुरुष दोनों ने बपतिस्मा लिया। शमौन ने आप ही विश्वास किया

"But when they believed Philip as he preached the good news of the kingdom of God and the name of Jesus Christ, they were baptized, both men and women. Simon himself believed and was baptized. And he followed Philip everywhere, astonished by the great signs and miracles. ... When Simon saw that the Spirit was given at the laying on of the apostles' hands, he offered them money. ... Peter answered: 'May your money perish with you, because you thought you could buy the gift of God with money! You have no part or share in this ministry, because your heart is not right before God. Repent of this wickedness and pray to the Lord. Perhaps he will forgive you for having such a thought in your heart. For I see that you are full of bitterness and captive to sin'." (Acts 8:12-13; 18; 20-22)

Eunuch from Ethiopia

"Then Philip ran up to the chariot and heard the man reading Isaiah the prophet. 'Do you understand what you are reading?' Philip asked. 'How can I,' he said, 'unless someone explains it to me?' So, he invited Philip to come up and sit with him. ... Then Philip began with that very passage of Scripture and told him the good news about Jesus. As they traveled along the road, they came to some water and the eunuch said, 'Look, here is water. Why shouldn't I be baptized?' And he gave orders to stop the chariot. Then both Philip and the eunuch went down into the water and Philip baptized him." (Acts 8:30-31; 35-38)

Saul of Tarsus

"The Lord told him, 'Go to the house of Judas on Straight Street and ask for a man from Tarsus named Saul, for he is praying. In a vision he has seen a man named Ananias come and place his hands on him to restore his sight'." ... Then Ananias went to the house and entered it. Placing his hands on Saul, he said, 'Brother Saul, the Lord-Jesus, who appeared to you on the road as you were coming here-has sent me so that you may see again and be filled with the Holy

और बपतिस्मा लिया। संकेत और चमत्कार ... जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने पर आत्मा दिया गया था, तो उसने उन्हें पैसे की पेशकश की ... पीटर ने उत्तर दिया: 'तेरा पैसा आपके साथ नाश हो सकता है, क्योंकि आपने सोचा था कि आप खरीद सकते हैं पैसे के साथ भगवान का उपहार! इस मंत्रालय में आपका कोई हिस्सा या हिस्सा नहीं है, क्योंकि आपका दिल भगवान के सामने सही नहीं है। इस दुष्टता से पश्चाताप करें और प्रभु से प्रार्थना करें। शायद वह आपके दिल में ऐसा विचार रखने के लिए आपको माफ कर देगा। क्योंकि मैं देखता हूँ, कि तू कटुता से भरा हुआ है, और पाप के बन्धन में है।' (प्रेरितों 8:12-13; 18; 20-22)

इथियोपिया से हिजड़ा

"तब फिलिप्पुस दौड़कर रथ पर चढ़ गया, और उस मनुष्य को यशायाह भविष्यद्वक्ता को पढ़ते हुए सुना। क्या तू समझता है कि तू क्या पढ़ रहा है?" फिलिप ने पूछा। 'मैं कैसे कर सकता हूँ,' उन्होंने कहा, 'जब तक कोई मुझे यह न समझाए?' सो उस ने फिलिप्पुस को ऊपर आने और उसके साथ बैठने का न्यौता दिया। ... तब फिलिप्पुस ने पवित्रशास्त्र के उसी अंश के साथ आरम्भ किया और उसे यीशु के विषय में सुसमाचार सुनाया। जब वे मार्ग पर चल रहे थे, तो वे कुछ पानी के पास आए, और खोजे ने कहा, 'देखो, यहाँ पानी है। मुझे बपतिस्मा क्यों नहीं लेना चाहिए?' और उस ने रथ को रोकने की आज्ञा दी: तब फिलिप्पुस और खोजे दोनों जल में उतर गए, और फिलिप्पुस ने उसे बपतिस्मा दिया।" (प्रेरितों के काम 8:30-31; 35-38)

तारसु का शाऊल

"यहोवा ने उससे कहा, 'सीधी सड़क पर यहूदा के घर जा और शाऊल नाम के तरसुस के एक आदमी को मांगो, क्योंकि वह प्रार्थना कर रहा है। उसने एक दर्शन में हनन्याह नाम के एक आदमी को आते देखा है और उसे बहाल करने के लिए उस पर हाथ रखा है। उसकी दृष्टि।' ... तब हनन्याह घर में गया और उसमें प्रवेश किया। उस ने शाऊल पर हाथ रखते हुए कहा, हे भाई शाऊल, प्रभु यीशु, जो मार्ग में तुझे दिखाई दिया, कि तू यहां आ रहा है, कि तू फिर देख, और पवित्र आत्मा से भर जाए। तुरन्त, शाऊल की आंखों से तराजू जैसा कुछ गिरा, और वह फिर से देखने लगा। वह उठा और उसने बपतिस्मा लिया, और कुछ खाने के बाद, उसने अपनी ताकत वापस पा ली। शाऊल ने कई दिन चेलों के साथ दमिश्क में बिताए। वह तुरन्त आराधनालयों में प्रचार करने लगा कि

Spirit.' Immediately, something like scales fell from Saul's eyes, and he could see again. He got up and was baptized, and after taking some food, he regained his strength. Saul spent several days with the disciples in Damascus. At once he began to preach in the synagogues that Jesus is the Son of God." (Acts 9:11-12; 17-20)

Cornelius

"Cornelius was expecting them and had called together his relatives and close friends. ... Then Peter began to speak: "I now realize how true it is that God does not show favoritism but accepts men from every nation who fear him and do what is right. ... He commanded us to preach to the people and to testify that he is the one whom God appointed as judge of the living and the dead. All the prophets testify about him that everyone who believes in him receives forgiveness of sins through his name. ... Then Peter said, "Can anyone keep these people from being baptized with water? They have received the Holy Spirit just as we have." So, he ordered that they be baptized in the name of Jesus Christ. Then they asked Peter to stay with them for a few days." (Acts 10:24; 34-35; 42-43; 46b-48)

Lydia

"One of those listening was a woman named Lydia, a dealer in purple cloth from the city of Thyatira, who was a worshiper of God. The Lord opened her heart to respond to Paul's message. When she and the members of her household were baptized, she invited us to her home. 'If you consider me a believer in the Lord,' she said, 'come and stay at my house.' And she persuaded us." (Acts 16:14-15)

Jailer at Philippi

"The jailer called for lights, rushed in and fell trembling before Paul and Silas. He then brought them out and asked, 'Sirs, what must I do to be saved?' They replied, 'Believe in the Lord Jesus, and you will be saved-you and your household.' Then they spoke the

यीशु परमेश्वर का पुत्र है।" (प्रेरितों के काम 9:11-12; 17-20)

कुरनेलियुस

"कुरनेलियुस उनकी प्रतीक्षा कर रहा था और उसने अपने रिश्तेदारों और करीबी दोस्तों को एक साथ बुलाया था। ... तब पीटर ने बोलना शुरू किया: "अब मुझे एहसास हुआ कि यह कितना सच है कि भगवान पक्षपात नहीं दिखाता है, लेकिन हर देश के पुरुषों को स्वीकार करता है जो उससे डरते हैं और क्या करते हैं सही है। ... उसने हमें लोगों को प्रचार करने और गवाही देने की आज्ञा दी कि वह वही है जिसे परमेश्वर ने जीवितों और मरे हुएों का न्यायी नियुक्त किया है। सब भविष्यद्वक्ता उसके विषय में गवाही देते हैं, कि जो कोई उस पर विश्वास करता है, उसे उसके नाम से पापों की क्षमा मिलती है। ... तब पतरस ने कहा, "क्या कोई इन लोगों को पानी से बपतिस्मा लेने से रोक सकता है? उन्होंने हमारी तरह पवित्र आत्मा प्राप्त किया है।" इसलिए, उसने आदेश दिया कि वे यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा लें। तब उन्होंने पतरस से कुछ दिन उनके साथ रहने को कहा।" (प्रेरितों के काम 10:24; 34-35; 42-43; 46ख-48)

लिडा

"उन लोगों में से एक लुदिया नाम की एक महिला थी, जो थुआतीरा शहर से बैंगनी कपड़े में एक व्यापारी थी, जो परमेश्वर की उपासक थी। प्रभु ने पॉल के संदेश का जवाब देने के लिए अपना दिल खोल दिया। जब उसने और उसके घर के सदस्यों ने बपतिस्मा लिया, उसने हमें अपने घर बुलाया। 'यदि तुम मुझे प्रभु में विश्वास करने वाले मानते हो,' उसने कहा, 'आओ और मेरे घर में रहो।' और उसने हमें मना लिया।" (प्रेरितों 16:14-15)

फिलिप्पी में जेलर

"जेलर ने बत्ती बुलवाई, और दौड़कर भीतर गया, और थरथराते हुए पौलुस और सीलास के साम्हने गिर पड़ा। तब वह उन्हें बाहर ले आया, और पूछा, 'हे प्रभु, उद्धार पाने के लिए मैं क्या करूं?' उन्होंने उत्तर दिया, 'प्रभु यीशु पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।' तब उन्होंने उस से और उसके घर के सब लोगोंसे यहोवा का वचन सुनाया। रात के उस पहर में जेलर ने उन्हें ले जाकर उनके घाव धोए; तब उसने और उसके सारे परिवार ने तुरन्त बपतिस्मा लिया।" (प्रेरितों के काम 16:29-33)

word of the Lord to him and to all the others in his house. At that hour of the night the jailer took them and washed their wounds; then immediately he and all his family were baptized" (Acts 16:29-33)

Crispus, the ruler of the synagogue

"Then Paul left the synagogue and went next door to the house of Titius Justus, a worshiper of God. Crispus, the synagogue ruler, and his entire household believed in the Lord; and many of the Corinthians who heard him believed and were baptized." (Acts 18:7-8)

Disciples of John

"While Apollos was at Corinth, Paul took the road through the interior and arrived at Ephesus. There he found some disciples and asked them, 'Did you receive the Holy Spirit when you believed?' They answered, 'No, we have not even heard that there is a Holy Spirit.' So, Paul asked, 'Then what baptism did you receive?' 'John's baptism,' they replied. Paul said, 'John's baptism was a baptism of repentance. He told the people to believe in the one coming after him, that is, in Jesus.' On hearing this, they were baptized into the name of the Lord Jesus." (Acts 19:1-5)

Paul writing to the Roman Christians, but referring to all who obey the Gospel

"Or don't you know that all of us who were baptized into Christ Jesus were baptized into his death? We were therefore buried with him through baptism into death in order that, just as Christ was raised from the dead through the glory of the Father, we too may live a new life. If we have been united with him like this in his death, we will certainly also be united with him in his resurrection. For we know that our old self was crucified with him so that the body of sin might be done away with, that we should no longer be slaves to sin because anyone who has died has been freed from sin." (Romans 6:3-6)

क्रिस्पस, आराधनालय का शासक

"तब पौलुस आराधनालय से निकलकर तीतुस यूस्तुस के घर के पास गया, जो परमेश्वर का उपासक था। आराधनालय के सरदार क्रिस्पस और उसके सारे घराने ने यहोवा पर विश्वास किया, और बहुत से कुरिन्थियों ने विश्वास किया और बपतिस्मा लिया।" (प्रेरितों 18:7-8)

जॉन के शिष्य

"जब अपुल्लोस कुरिन्थुस में था, तब पौलुस ने भीतरी मार्ग से होते हुए इफिसुस को पहुंचा। वहां उस ने कुछ चेलोंको पाया, और उन से पूछा, क्या तुम ने विश्वास करके पवित्र आत्मा पाया? उन्होंने उत्तर दिया, 'नहीं, हम ने यह तक नहीं सुना कि पवित्र आत्मा होता है।' सो, पौलुस ने पूछा, 'तो फिर तुमने कौन-सा बपतिस्मा लिया?' 'यूहन्ना का बपतिस्मा,' उन्होंने उत्तर दिया। पॉल ने कहा, 'यूहन्ना का बपतिस्मा पश्चाताप का बपतिस्मा था। उसने लोगों से कहा कि वह अपने बाद आने वाले पर विश्वास करें, अर्थात् यीशु में।' यह सुनकर, उन्होंने प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया।" (प्रेरितों 19:1-5)

पॉल रोमन ईसाइयों को लिख रहा है, लेकिन उन सभी का जिक्र कर रहा है जो सुसमाचार का पालन करते हैं

"या क्या तुम नहीं जानते, कि हम सब ने, जो यीशु मसीह का बपतिस्मा लिया, उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया? सो हम मृत्यु के बपतिस्मे के द्वारा उसके साथ गाड़े गए, कि जैसे मसीह मरे हुआं में से जी उठा, हे पिता, हम भी एक नया जीवन जीएं। यदि हम उसकी मृत्यु में उसके साथ इस तरह एक हो गए हैं, तो हम निश्चित रूप से उसके पुनरुत्थान में भी एक होंगे। क्योंकि हम जानते हैं कि हमारा पुराना शरीर उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था ताकि शरीर पाप का नाश हो जाए, कि हम फिर पाप के दास न रहें, क्योंकि जो कोई मर गया है, वह पाप से छूट गया है।" (रोमियों 6:3-6)

प्रश्न

2. पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा ने 3,000 लोगों को बचाया जब उसने उन पर अपनी आत्मा उंडेली।
सही गलत ____
2. पिन्तेकुस्त के दिन पतरस ने भीड़ से कहा कि उन्हें पश्चाताप करने और बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है:

Questions

1. The Holy Spirit saved the 3,000 on Pentecost Day when He poured out His Spirit on them.

True ___ False ___

2. On Pentecost Day Peter told the crowd they needed to repent and be baptized to:

A. ___ receive the ability to perform miracles

B. ___ cease being under the control of the Romans

C. ___ receive the forgiveness of sins

3. Saul of Tarsus became the apostle Paul by direct action of the Holy Spirit.

True _____ False _____

4. Philip took the bowl of water he found on the road to Ethiopia and poured water over the Eunuch's head to baptize him

True ___ False ___

5. Paul stated in Romans that those who had been baptized into Christ were:

A. ___ buried through baptism into Christ death

B. ___ raise from the dead like Jesus to a new life

C. ___ united with Christ in His resurrection

D. ___ A & B

E. ___ A & C

F. ___ A, B & C

Our Choice

Lesson 2

The question "What must I do?" was first asked of Peter when Christ established his church as recorded in Acts 2 which you are encouraged to read in its entirety.

"When the day of Pentecost came, they were all together in one place. Suddenly a sound like the blowing of a violent wind came from heaven (vv. 1-2a)... When they heard this sound, a crowd came together in

A. ___ को चमत्कार करने की क्षमता प्राप्त होती है

बी ___ रोमियों के नियंत्रण में रहना बंद कर देता है

ग. ___ पापों की क्षमा प्राप्त करते हैं

3. तरसुस का शाऊल पवित्र आत्मा के प्रत्यक्ष कार्य के द्वारा प्रेरित पौलुस बन गया।

सही गलत _____

6. फिलिप्पुस ने कूश के रास्ते में मिले पानी के कटोरे को लिया और खोजे को बपतिस्मा देने के लिए उसके सिर पर पानी डाला।

सही गलत _____

7. रोमियों में पौलुस ने कहा कि वे लोग जिन्होंने मसीह में बपतिस्मा लिया था वे थे:

A. ___ बपतिस्मा के माध्यम से मसीह की मृत्यु में दफनाया गया

D. ___ यीशु की तरह मरे हुआओं में से जी उठो एक नए जीवन के लिए

सी. ___ अपने पुनरुत्थान में मसीह के साथ एकजुट हो गया

डी. ___ ए और बी

ई. ___ ए और सी

एफ. ___ ए, बी और सी

हमारी पसंद

पाठ 2

प्रश्न "मुझे क्या करना चाहिए?" पहली बार पतरस से पूछा गया था जब मसीह ने अपने चर्च की स्थापना की थी जैसा कि प्रेरितों के काम 2 में दर्ज है जिसे आपको इसकी संपूर्णता में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

"जब पिनतेकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक ही स्थान पर इकट्ठे थे। एकाएक आकाश से प्रचण्ड वायु के झोंके के समान एक शब्द आया (पद 1-2क)... जब उन्होंने यह शब्द सुना, तो भीड़ इकट्ठी हो गई। घबराहट (बनाम 6ए) ... तब पीटर ग्यारह के साथ खड़ा हुआ, अपनी आवाज उठाई और भीड़ को संबोधित किया (बनाम 14 ए) ... 'इस्राएल के पुरुषों, इसे सुनो: नासरत के यीशु भगवान द्वारा मान्यता प्राप्त व्यक्ति थे जैसा कि आप आप जानते हैं, जो चमत्कार, चमत्कार और चिन्ह

bewilderment (vs. 6a) ... Then Peter stood up with the Eleven, raised his voice and addressed the crowd (vs. 14a) ... 'Men of Israel, listen to this: Jesus of Nazareth was a man accredited by God to you by miracles, wonders and signs, which God did among you through him, as you yourselves know. This man was handed over to you by God's set purpose and foreknowledge; and you, with the help of wicked men, put him to death by nailing him to the cross. But God raised him from the dead, freeing him from the agony of death, because it was impossible for death to keep its hold on him.' (Vv. 22-24) ... 'Therefore, let all Israel be assured of this: God has made this Jesus, whom you crucified, both Lord and Christ.' When the people heard this, they were cut to the heart and said to Peter and the other apostles, 'Brothers, what shall we do?' Peter replied, 'Repent and be baptized, every one of you, in the name of Jesus Christ for the forgiveness of your sins. And you will receive the gift of the Holy Spirit.' (Vv. 36-39) ... Those who accepted his message were baptized, and about three thousand were added to their number that day." (vs. 41) ... They devoted themselves to the apostles' teaching and to the fellowship, to the breaking of bread and to prayer. (Vv. 42-43)

We all have the same choice. Will we accept Christ's message of reconciliation or reject it? Some rejected the message but about 3,000 accepted it and did the following:

- They heard the Gospel message - Christ had been crucified, resurrected and ascended back to the Father.
- They were convicted of the sin.
- They asked "what shall we do?"
- Those who accepted the Gospel message:
 - a. Repented
 - b. Were immersed in the name of Jesus for forgiveness of sins
 - c. Received gift of the Holy Spirit
- About 3000 added to their number, Jesus' disciples.
- They devoted themselves to

परमेश्वर ने उसके द्वारा तुम्हारे बीच में किए, वे तुम्हारे लिये किए गए हैं: यह मनुष्य परमेश्वर की नियत और पहिले ज्ञान से तुम्हें सौंप दिया गया है, और तुम ने दुष्टों की सहायता से उसे मार डाला। और उसे क्रूस पर कीलों से ठोक दिया, परन्तु परमेश्वर ने उसे मृत्यु की पीड़ा से छुड़ाकर, मरे हुआओं में से जिलाया, क्योंकि यह अनहोना था कि मृत्यु उस पर अपनी पकड़ बनाए रखे।' (वव. 22-24) ... 'इसलिए, सब इस्राएलियों को इस बात का निश्चय हो जाना चाहिए: परमेश्वर ने इस यीशु को, जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया था, प्रभु और मसीह दोनों बनाया है।' जब लोगों ने यह सुना, तो उनका मन कट गया और उन्होंने पतरस और दूसरे प्रेरितों से कहा, हे भाइयो, हम क्या करें? पतरस ने उत्तर दिया, 'पश्चात्ताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।' (वव. 36-39) ... जिन्होंने उसके संदेश को स्वीकार किया, उन्होंने बपतिस्मा लिया, और उस दिन उनकी संख्या में लगभग तीन हजार जोड़े गए।" (बनाम 41) ... उन्होंने खुद को प्रेरितों की शिक्षा और उनके लिए समर्पित कर दिया सहभागिता, रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने के लिए (वव. 42-43) और उनका मन कट गया, और पतरस और दूसरे प्रेरितोंसे कहने लगे, हे भाइयो, हम क्या करें? पतरस ने उत्तर दिया, 'पश्चात्ताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।' (वव. 36-39) ... जिन्होंने उसके संदेश को स्वीकार किया, उन्होंने बपतिस्मा लिया, और उस दिन उनकी संख्या में लगभग तीन हजार जोड़े गए।" (बनाम 41) ... उन्होंने खुद को प्रेरितों की शिक्षा और उनके लिए समर्पित कर दिया सहभागिता, रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने के लिए (वव. 42-43) और उनका मन कट गया, और पतरस और दूसरे प्रेरितोंसे कहने लगे, हे भाइयो, हम क्या करें? पतरस ने उत्तर दिया, 'पश्चात्ताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।' (वव. 36-39) ... जिन्होंने उसके संदेश को स्वीकार किया, उन्होंने बपतिस्मा लिया, और उस दिन उनकी संख्या में लगभग तीन हजार जोड़े गए।" (बनाम 41) ... उन्होंने खुद को प्रेरितों की शिक्षा और उनके लिए समर्पित कर दिया सहभागिता, रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने के लिए (वव. 42-43)

हम सबका एक ही विकल्प है। क्या हम मसीह के मेल-मिलाप के संदेश

- Apostles' teaching
- Fellowship
- Breaking of bread
- Prayer

It should be noted that **everyone who heard made a decision. They either accepted or rejected the message of reconciliation.**

There are many ways one can hear the Message of Reconciliation - someone could personally show them the message directly from the Bible, they could learn from reading the Bible or verifying from the Bible the truth of lessons on the World Wide Web, Internet.

There does not appear to be a requirement that a disciple or follower of Christ do the immersing, baptizing, as long as it is based upon a saving faith, by immersion in water in the name of Jesus and for the forgiveness of sins.

Questions

1. What is the Message of Reconciliation?

- Christ's death
- Christ's return to Heaven
- Christ's burial
- Christ's Resurrection
- All the above
- None of the above

2. What did everyone who heard do?

- Accepted the message
- Rejected the message
- Made a decision

3. Those accepting the message

- received the gift of the Holy Spirit.
- repented.
- were immersed.
- all the above.
- none of the above.

4. Those who accepted devoted themselves to

- learning more about Jesus and

को स्वीकार करेंगे या इसे अस्वीकार करेंगे? कुछ ने संदेश को अस्वीकार कर दिया लेकिन लगभग 3,000 ने इसे स्वीकार कर लिया और निम्न कार्य किया:

- उन्होंने सुसमाचार संदेश सुना - मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था, जी उठे और पिता के पास वापस चले गए।

- उन्हें पाप का दोषी ठहराया गया था।

- उन्होंने पूछा "हम क्या करें?"

- जिन्होंने सुसमाचार संदेश स्वीकार किया:

- पछतावा

- पापों की क्षमा के लिए यीशु के नाम में डूबे हुए थे

सी। पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त किया

- उनकी संख्या में लगभग 3000 जोड़े गए, यीशु के शिष्य।

- उन्होंने खुद को समर्पित किया

एक। प्रेरितों की शिक्षा

बी। अध्येतावृत्ति

सी। रोटी तोड़ना

डी। प्रार्थना

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जिसने भी सुना उसने निर्णय लिया। उन्होंने सुलह के संदेश को या तो स्वीकार या अस्वीकार कर दिया।

सुलह का संदेश सुनने के कई तरीके हैं - कोई व्यक्ति उन्हें सीधे बाइबल से संदेश दिखा सकता है, वे बाइबल पढ़ने से सीख सकते हैं या बाइबल से वर्ल्ड वाइड वेब, इंटरनेट पर पाठों की सच्चाई की पुष्टि कर सकते हैं।

ऐसा कोई आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है कि मसीह का एक शिष्य या अनुयायी विसर्जन, बपतिस्मा करता है, जब तक कि यह एक बचाने वाले विश्वास पर आधारित है, यीशु के नाम पर पानी में विसर्जन और पापों की क्षमा के लिए।

प्रश्न

1. मेल-मिलाप का संदेश क्या है?

एक _____ मसीह की मृत्यु

बी _____ मसीह की स्वर्ग में वापसी

सी _____ मसीह की कब्रगाह

डी _____ मसीह का पुनरुत्थान

His teachings.

B _____ returning to their old friends and acquaintances.

C _____ associating with others who had accepted the message.

D _____ breaking bread with others who had accepted.

E _____ prayer.

F _____ All the above.

G _____ A, B, D & E.

H _____ A, C, D & E.

5. Is the Gospel available to all mankind?

True ____ False ____

A New Creation

Lesson 3

"Therefore, if anyone is in Christ, he is a new creation; the old has passed away, behold, the new has come" (2 Corinthians 5:17).

Death - The Old Self of Sin [Flesh or Earthly Man]

- You were taught, with regard to your former way of life, to put off your old self, which is being corrupted by its deceitful desires. (Ephesians 4:22)
- Do you not know that the wicked will not inherit the kingdom of God? Do not be deceived: Neither the sexually immoral nor idolaters nor adulterers nor male prostitutes nor homosexual offenders nor thieves nor the greedy nor drunkards nor slanderers nor swindlers will inherit the kingdom of God. And that is what some of you were. But you were washed, you were sanctified, you were justified in the name of the Lord Jesus Christ and by the Spirit of our God. (1 Corinthians 6:9-11)
- At one time we too were foolish, disobedient, deceived and enslaved by all kinds of passions and pleasures. We lived in malice and envy, being hated and hating one another. (Titus 3:3)
- The acts of the sinful nature are obvious: sexual immorality, impurity and debauchery; idolatry and witchcraft; hatred, discord, jealousy, fits of rage,

ई _____ उपरोक्त सभी

एफ _____ उपरोक्त में से कोई नहीं

2. सबने जो सुना, उसने क्या किया?

ए _____ ने संदेश स्वीकार किया

बी _____ ने संदेश को अस्वीकार कर दिया

सी _____ ने निर्णय लिया

3. संदेश स्वीकार करने वाले

एक _____ को पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त हुआ।

बी _____ ने पश्चाताप किया।

सी _____ डूबे हुए थे।

डी _____ उपरोक्त सभी।

ई _____ उपरोक्त में से कोई नहीं।

4. जिन्होंने स्वीकार किया उन्होंने खुद को समर्पित कर दिया

ए _____ यीशु और उनकी शिक्षाओं के बारे में अधिक सीखना।

बी _____ अपने पुराने दोस्तों और परिचितों के पास लौट रहे हैं।

सी _____ अन्य लोगों के साथ जुड़ना जिन्होंने संदेश स्वीकार कर लिया था।

डी _____ दूसरों के साथ रोटी तोड़ना जिन्होंने स्वीकार किया था।

ई _____ प्रार्थना।

एफ _____ उपरोक्त सभी।

जी _____ ए, बी, डी और ई।

एच _____ ए, सी, डी और ई।

5. क्या सुसमाचार सभी मानवजाति के लिए उपलब्ध है?

सही गलत _____

एक नई रचना

अध्याय 3

"इसलिये यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है; पुराना बीत गया, देखो, नया आ गया" (2 कुरिन्थियों 5:17)।

मृत्यु - पाप का पुराना स्व [मांस या सांसारिक मनुष्य]

• आपको अपनी पुरानी जीवन शैली के संबंध में सिखाया गया था, कि

selfish ambition, dissensions, factions and envy; drunkenness, orgies, and the like. I warn you, as I did before, that those who live like this will not inherit the kingdom of God. (Galatians 5:19-21)

Burial - Of the Sinful Body

Like a seed that is planted into the earth and rises a different plant - so sinful man accepts the Word is buried into death of Christ and rises a new spiritual man to live a different life.

- Or don't you know that all of us who were baptized into Christ Jesus were baptized into his death? We were therefore buried with him through baptism into death in order that, just as Christ was raised from the dead through the glory of the Father, we too may live a new life. (Romans 6:3-4)
- Therefore, if anyone is in Christ, he is a new creation; the old has gone, the new has come! (2 Corinthians 5:17)
- Neither circumcision nor un-circumcision means anything; what counts is a new creation. (Galatians 6:15)

Resurrected - A New Creation [Spiritual Man]

- For it is by grace you have been saved, through faith-and this not from yourselves, it is the gift of God- not by works, so that no one can boast. For we are God's workmanship, created in Christ Jesus to do good works, which God prepared in advance for us to do. (Ephesians 2:8-10)
- You were taught with regard to your former way of life to put off your old self, which is being corrupted by its deceitful desires; to be made new in the attitude of your minds; and to put on the new self, created to be like God in true righteousness and holiness. (Ephesians 4:22-24)
- (We) have put on the new self, which is being renewed in knowledge in the image of its Creator. (Colossians 3:10)
- But I say, walk by the Spirit, and do not gratify the desires of the flesh. For the

आप अपने पुराने स्व को दूर कर दें, जो इसकी कपटपूर्ण इच्छाओं से भ्रष्ट हो रहा है। (इफिसियों 4:22)

- क्या आप नहीं जानते कि दुष्ट परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे? धोखे में न आएं: न तो यौन अनैतिक, न मूर्तिपूजक, न व्यभिचारी, न पुरुष वेश्याएं, न समलैंगिक अपराधी, न चोर, न लालची, न पियक्कड़, न निंदक, न ठग परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। और आप में से कुछ ऐसे थे। परन्तु तुम धोए गए, तुम पवित्र किए गए, तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धर्मी ठहरे। (1 कुरिन्थियों 6:9-11)
- एक समय में हम भी मूर्ख, अज्ञानी, धोखेबाज और हर तरह के जुनून और सुखों के गुलाम थे। हम द्वेष और ईर्ष्या में रहते थे, हम एक दूसरे से बैर और बैर रखते थे। (तीतुस 3:3)
- पापी प्रकृति के कार्य स्पष्ट हैं: यौन अनैतिकता, अशुद्धता और व्यभिचार; मूर्तिपूजा और जादू टोना; घृणा, कलह, ईर्ष्या, क्रोध के दौरे, स्वार्थी महत्वाकांक्षा, मतभेद, गुट और ईर्ष्या; नशे, orgies, और इस तरह। मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ, जैसा मैंने पहले किया था, कि जो लोग इस तरह से रहते हैं वे परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे। (गलतियों 5:19-21)

दफन - पापी शरीर का

एक बीज की तरह जो पृथ्वी में बोया जाता है और एक अलग पौधा उगता है - इसलिए पापी मनुष्य स्वीकार करता है कि वचन को मसीह की मृत्यु में दफनाया गया है और एक अलग जीवन जीने के लिए एक नए आध्यात्मिक व्यक्ति का उदय होता है।

- या क्या आप नहीं जानते कि हम सब ने, जिन्होंने यीशु मसीह का बपतिस्मा लिया, उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया? इसलिथे हम उसके साथ मृत्यु के बपतिस्मे के द्वारा गाड़े गए, कि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुएों में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी एक नया जीवन जीएं। (रोमियों 6:3-4)
- इसलिए, यदि कोई मसीह में है, तो वह एक नई सृष्टि है; पुराना चला गया, नया आ गया! (2 कुरिन्थियों 5:17)
- न तो खतना और न ही खतनारहित का कोई मतलब है; क्या मायने रखता है एक नई रचना है। (गलतियों 6:15)

पुनर्जीवित- एक नई रचना [आध्यात्मिक पुरुष]

- क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और

desires of the flesh are against the Spirit, and the desires of the Spirit are against the flesh; for these are opposed to each other, to prevent you from doing what you would. (Galatians 5:16-17)

- And whatever you do, in word or deed, do everything in the name of the Lord Jesus, giving thanks to God the Father through him. (Colossians 3:17)
- But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, patience, kindness, goodness, faithfulness, gentleness and self-control. Against such things there is no law. Those who belong to Christ Jesus have crucified the sinful nature with its passions and desires. Since we live by the Spirit, let us keep in step with the Spirit. Let us not become conceited, provoking and envying each other. (Galatians 5:22-26)

Daily Living

- As a prisoner for the Lord, then, I urge you to live a life worthy of the calling you have received. Be completely humble and gentle; be patient, bearing with one another in love. Make every effort to keep the unity of the Spirit through the bond of peace. (Ephesians 4:1-3).
- You must no longer live as the Gentiles do, in the futility of their thinking. They are darkened in their understanding and separated from the life of God because of the ignorance that is in them due to the hardening of their hearts. Having lost all sensitivity, they have given themselves over to sensuality so as to indulge in every kind of impurity, with a continual lust for more. (Ephesians 4:17-19)

Ephesians 4, 5, and 6 — daily living by the new creation:

- Be made new in the attitude of your minds
- Put off falsehood and speak truthfully to your neighbor
- In your anger do not sin
- Do not let the sun go down while you are still angry
- Steal no longer, but must work
- Do not let any unwholesome talk come out of your mouths

यह तुम्हारी ओर से नहीं, परमेश्वर का दान है, न कि कर्मों के द्वारा, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। क्योंकि हम परमेश्वर के बनाए हुए हैं, और अच्छे काम करने के लिये मसीह यीशु में सृजे गए हैं, जिन्हें परमेश्वर ने हमारे करने के लिये पहिले से तैयार किया है। (इफिसियों 2:8-10)

- आपको अपनी पुरानी जीवन शैली के संबंध में सिखाया गया था कि आप अपने पुराने स्व को दूर कर दें, जो अपनी कपटपूर्ण इच्छाओं से भ्रष्ट हो रहा है; अपने मन की मनोवृत्ति में नया बनाया जाना; और नई आत्मा पहिनने के लिये, जो परमेश्वर के तुल्य होने के लिये सच्ची धार्मिकता और पवित्रता में सृजी गई है। (इफिसियों 4:22-24)
- (हमने) नए स्व को पहिन लिया है, जो अपने निर्माता की छवि में जान में नवीनीकृत किया जा रहा है। (कुलुस्सियों 3:10)
- परन्तु मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, और शरीर की अभिलाषाएं पूरी न करो। क्योंकि शरीर की अभिलाषाएं आत्मा के विरुद्ध हैं, और आत्मा की अभिलाषाएं शरीर के विरोध में हैं; क्योंकि ये एक दूसरे के विरोधी हैं, कि जो कुछ तुम करना चाहते हो, वह करने से तुम रोको। (गलतियों 5:16-17)
- और जो कुछ तुम वचन या कर्म से करो, सब कुछ प्रभु यीशु के नाम से करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो। (कुलुस्सियों 3:17)
- परन्तु आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, सच्चाई, नम्रता और संयम है। ऐसी चीजों के विरुद्ध कोई भी कानून नहीं है। जो लोग यीशु मसीह के हैं, उन्होंने पापी स्वभाव को उसकी वासनाओं और अभिलाषाओं सहित क्रूस पर चढ़ा दिया है। चूँकि हम आत्मा के द्वारा जीते हैं, आइए हम आत्मा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। आइए हम एक दूसरे के अभिमानी, उकसाने वाले और ईर्ष्यालु न बनें। (गलतियों 5:22-26)

दैनिक जीवन

- प्रभु के लिए एक कैदी के रूप में, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप एक ऐसा जीवन जिएं जो आपको प्राप्त हुई बुलाहट के योग्य हो। पूरी तरह से विनम्र और कोमल बनें; सब रखो, प्रेम से एक दूसरे की सह लो। शांति के बन्धन के द्वारा आत्मा की एकता को बनाए रखने का हर संभव प्रयास करें। (इफिसियों 4:1-3)।
- अब से अन्यजातियों की तरह उनकी सोच की व्यर्थता में नहीं रहना चाहिए। उनकी समझ में अंधेरा हो गया है और उनके दिलों के सख्त

- Get rid of all bitterness, rage, brawling and slander, and every form of malice.
- Be kind and compassionate
- Forgiving each other, just as in Christ God forgave you
- Live a life of love
- Among you there must not be:
 - a. A hint of sexual immorality
 - b. Any kind of impurity
 - c. Greed
 - d. Obscenity
 - e. Foolish talk
 - f. Coarse joking
- No immoral, impure or greedy person has any inheritance in the kingdom of God.
- Do not get drunk on wine
- Be filled with the Spirit
- Speak to one another with psalms, hymns and spiritual songs
- Sing and make music in your heart to the Lord
- Always giving thanks to God the Father
- Submit to one another out of reverence for Christ
- Wives, submit to your husbands as to the Lord
- Husbands, love your wives, as Christ loved the church and gave himself up for her
- Children, obey your parents in the Lord
- Honor your father and mother
- Fathers do not exasperate your children
- Slaves, obey your earthly masters with respect
- Masters, treat your slaves in the same way. Do not threaten them, since you know that he who is both their Master and yours is in heaven, and there is no favoritism with him

Titus 3:1-2

- Be subject to rulers and authorities, to be obedient, to be ready to do whatever is good, to slander no one, to be peaceable and considerate, and to show true humility toward all men
- Finally, be strong in the Lord and in his mighty power. **Put on the full armor of God**

होने के कारण उनमें जो अज्ञान है, उसके कारण वे परमेश्वर के जीवन से अलग हो गए हैं। सभी संवेदनशीलता को खो देने के बाद, उन्होंने अपने आप को कामुकता के हवाले कर दिया है ताकि हर तरह की अशुद्धता में लिप्त हो सकें, और अधिक की निरंतर वासना के साथ। (इफिसियों 4:17-19)

इफिसियों 4, 5, और 6 — नई सृष्टि के द्वारा प्रतिदिन जीना:

- अपने मन के रवैए में नए बनें
- झूठ को त्यागो और अपने पड़ोसी से सच बोलो
- अपने क्रोध में पाप न करें
- जब तक आप क्रोधित हों तब तक सूर्य को अस्त न होने दें
- अब चोरी न करें, लेकिन काम करना चाहिए
- अपने मुंह से कोई भी गंदी बात न निकलने दें
- सभी कटुता, रोष, कलह और बदनामी, और हर प्रकार के द्वेष से छुटकारा पाएं।
- दयालु और दयालु बनें
- एक दूसरे को क्षमा करना, जैसे मसीह में परमेश्वर ने तुम्हें क्षमा किया
- प्यार का जीवन जिएं
- आप के बीच यह नहीं होना चाहिए:
 - g. यौन अनैतिकता का एक संकेत
 - h. किसी भी प्रकार की अशुद्धता
 - i. लालच
 - j. बेहूदापन
 - k. मूर्खतापूर्ण बात
 - l. मोटा मजाक
- किसी भी अनैतिक, अशुद्ध या लालची व्यक्ति को परमेश्वर के राज्य में कोई विरासत नहीं मिली है।
- शराब के नशे में न पड़ें
- आत्मा से भर जाओ
- स्तोत्र, स्तोत्र और आध्यात्मिक गीतों के साथ एक दूसरे से बात करें
- गाओ और प्रभु के लिए अपने दिल में संगीत बनाओ
- हमेशा पिता परमेश्वर को धन्यवाद देना
- मसीह के प्रति श्रद्धा के कारण एक दूसरे के अधीन रहें
- पत्नियों, अपने पतियों को प्रभु के अधीन कर दो
- पतियों, अपनी पत्नियों से प्यार करो, जैसे मसीह ने चर्च से प्यार

so that you can take your stand against the devil's schemes

Questions

1. A person coming into Christ becomes a new creation because:

A ___ God miraculously changed one's life.

B ___ The person resolved within themselves to become a better person by changing their lifestyle.

C ___ There was a death to sin, a burial into Christ and God resurrected the person as a new creation, spiritual body

2. God's grace, Christ the perfect sacrifice for sin, is free to all but man is free to accept or reject based on his faith or lack of faith.

True _____ False _____

3. An individual can lose all sensitivity to what is right, pure and just.

True _____ False _____

4. A new Christian, new creation, can continue to live as before one's death to sin, burial with Christ and resurrection as a new creation.

True _____ False _____

5. It is impossible for people to lose their sensitivity to sensuality?

True ___ False _____

Benefits of Being In Christ

Lesson 4

Previous studies have shown we must change our lifestyle from rebellion to righteousness. We must believe the Gospel message - the crucified and resurrected Christ. We must obey that message to be in Him because it is in Him and through Him, we have redemption and are reconciled to God.

"He predestined us to be adopted as his sons through Jesus Christ, in accordance

किया और खुद को उसके लिए दे दिया

- बच्चे, प्रभु में अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करें
- अपने पिता और माता का आदर करें
- पिता आपके बच्चों को तंग नहीं करते
- दास, अपने सांसारिक स्वामियों का आदर से पालन करें
- स्वामी, अपने दासों के साथ भी ऐसा ही व्यवहार करें। उन्हें धमकी मत दो, क्योंकि तुम जानते हो कि वह जो उनका स्वामी है और तुम्हारा भी है स्वर्ग, और उसके साथ कोई पक्षपात नहीं है

तीतुस 3:1-2

- शासकों और अधिकारियों के अधीन रहें, आज्ञाकारी बनें, जो कुछ भी अच्छा करने के लिए तैयार रहें, किसी की निंदा न करें, शांतिप्रिय और विचारशील बनें, और सभी पुरुषों के प्रति सच्ची नम्रता दिखाएं
- अंत में, प्रभु में और उसकी शक्तिशाली शक्ति में मजबूत बनें। परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, कि तुम शैतान की चालों के विरुद्ध अपना पक्ष रख सको

प्रश्न

1. मसीह में आने वाला व्यक्ति एक नई सृष्टि बन जाता है क्योंकि:
- एक ___ भगवान ने चमत्कारिक ढंग से किसी के जीवन को बदल दिया।
- बी ___ व्यक्ति ने अपने भीतर संकल्प लिया कि एक अपनी जीवन शैली में बदलाव करके बेहतर इंसान।
- ग ___ पाप की मृत्यु थी, मसीह और परमेश्वर में दफनाया गया था व्यक्ति को एक नई सृष्टि, आध्यात्मिक शरीर के रूप में पुनर्जीवित किया

2. परमेश्वर का अनुग्रह, पाप के लिए सिद्ध बलिदान मसीह, सभी के लिए स्वतंत्र है लेकिन मनुष्य अपने विश्वास या विश्वास की कमी के आधार पर स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र है।
- सही गलत _____

3. एक व्यक्ति जो सही, शुद्ध और न्यायपूर्ण है, उसके प्रति सभी संवेदनशीलता खो सकता है।

सही गलत _____

with his pleasure and will to the praise of his glorious grace, which he has freely given us in the One he loves. In him we have redemption through his blood, the forgiveness of sins, in accordance with the riches of God's grace that he lavished on us with all wisdom and understanding. And he made known to us the mystery of his will according to his good pleasure, which he purposed in Christ, to be put into effect when the times will have reached their fulfillment-to bring all things in heaven and on earth together under one head, even Christ." (Ephesians 1:5-10)

"For Christ's love compels us, because we are convinced that one died for all, and therefore all died. And he died for all, that those who live should no longer live for themselves but for him who died for them and was raised again. So, from now on we regard no one from a worldly point of view. Though we once regarded Christ in this way, we do so no longer. Therefore, if anyone is in Christ, he is a new creation; the old has gone, the new has come! All this is from God, who reconciled us to himself through Christ and gave us the ministry of reconciliation: that God was reconciling the world to himself in Christ, not counting men's sins against them. And he has committed to us the message of reconciliation." (2 Corinthians 5:14-19)

"What shall we say, then? Shall we go on sinning so that grace may increase? By no means! We died to sin; how can we live in it any longer? Or don't you know that all of us who were baptized into Christ Jesus were baptized into his death? We were therefore buried with him through baptism into death in order that, just as Christ was raised from the dead through the glory of the Father, we too may live a new life. If we have been united with him like this in his death, we will certainly also be united with him in his resurrection. For we know that our old self was crucified with him so that the body of sin might be done away with, that we should

4. एक नया ईसाई, नई सृष्टि, पाप के प्रति अपनी मृत्यु से पहले, मसीह के साथ गाड़े जाने और एक नई सृष्टि के रूप में पुनरुत्थान के रूप में जीना जारी रख सकती है।

सही गलत _____

5. लोगों के लिए कामुकता के प्रति संवेदनशीलता खोना असंभव है? सही गलत _____

मसीह में होने के लाभ

पाठ 4

पिछले अध्ययनों से पता चला है कि हमें अपनी जीवन शैली को विद्रोह से धार्मिकता में बदलना चाहिए। हमें सुसमाचार संदेश पर विश्वास करना चाहिए - क्रूस पर चढ़ाए गए और पुनर्जीवित मसीह। हमें उस संदेश का पालन करना चाहिए क्योंकि वह उसमें है और उसके माध्यम से, हमारे पास छुटकारे हैं और हम परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप कर रहे हैं।

"उसने हमें पहिले से ठहराया, कि हम यीशु मसीह के द्वारा उसके पुत्रों के रूप में ग्रहण किए जाएं, उसकी प्रसन्नता और इच्छा के अनुसार, जो उस ने अपने उस महिमामय अनुग्रह की स्तुति के अनुसार किया है, जिसे उस ने हमें अपने प्रिय को दिया है। उसके लहू के द्वारा हमें उसी में छुटकारा मिला है। पापों की क्षमा, परमेश्वर के उस अनुग्रह के धन के अनुसार जो उस ने सारी बुद्धि और समझ के साथ हम पर बरपाया। और उस ने अपनी इच्छा का भेद अपने उस भले सुख के अनुसार जो उस ने मसीह में डालने का ठाना था, हम पर प्रगट किया। जब समय पूरा हो जाएगा-स्वर्ग में और पृथ्वी पर सभी चीजों को एक सिर के नीचे एक साथ लाने के लिए, यहां तक कि मसीह को भी। (इफिसियों 1:5-10)

"क्योंकि मसीह का प्रेम हमें विवश करता है, क्योंकि हम ने निश्चय किया है, कि एक सब के लिये मरा, और इसलिये सब मर गए। और वह सब के लिये मरा, कि जो जीवित हैं, वे अब आपके लिये न जीएं, वरन उसके लिये जो उनके लिये मरा, और जी भी उठा। सो अब से हम किसी को सांसारिक दृष्टि से नहीं देखते। यद्यपि हम मसीह को इस प्रकार मानते थे, तौभी अब ऐसा नहीं करते। इसलिए, यदि कोई मसीह में है, तो वह एक नई सृष्टि है, पुरानी चली गई है, नया आ गया है, यह सब परमेश्वर की ओर से है, जिस ने हमें मसीह के द्वारा आपके साथ मेल

no longer be slaves to sin because anyone who has died has been freed from sin." (Romans 6:1-7)

"See to it that no one takes you captive through hollow and deceptive philosophy, which depends on human tradition and the basic principles of this world rather than on Christ. For in Christ all the fullness of the Deity lives in bodily form, and you have been given fullness in Christ, who is the head over every power and authority. In him you were also circumcised, in the putting off of the sinful nature, not with a circumcision done by the hands of men but with the circumcision done by Christ, having been buried with him in baptism and raised with him through your faith in the power of God, who raised him from the dead." (Colossians 2:8-12)

Perhaps the best benefit of being with Christ is when all stand before the judgment seat of God, the righteous have Jesus as their advocate!

Questions

1. When someone crucifies his old self with Christ, he is united with Him by death of his sin, having the assurance of eternal life and being united with Him in His resurrection.
True _____ False _____
2. Where is redemption found?
A _____ Only Faith in Christ
B _____ Prayer asking for redemption
C _____ The blood of Christ
3. How does one become a new creation?
A _____ When one believes Christ is their savior
B _____ When one gets into Christ by the burial of baptism
C _____ When resurrected following physical death
D _____ A & C
E _____ A & B

कर लिया, और मेल मिलाप की सेवकाई हमें दी; कि परमेश्वर मनुष्योंके पापोंको उनके विरुद्ध न गिनते हुए, जगत का अपने साथ मसीह में मेल कर ले। सुलह का संदेश।" (2 कुरिन्थियों 5:14-19)

"तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें, कि अनुग्रह बढ़ता जाए? किसी रीति से न हो! हम पाप के लिए मरे; हम उस में फिर कैसे जी सकते हैं? या क्या तुम नहीं जानते कि हम सब ने जो बपतिस्मा लिया है मसीह में यीशु को उसकी मृत्यु में बपतिस्मा दिया गया था? इसलिए हम मृत्यु के बपतिस्मा के द्वारा उसके साथ गाड़े गए ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मृतकों में से जिलाया गया, हम भी एक नया जीवन जी सकते हैं। उसकी मृत्यु के समय उसके साथ इस प्रकार संयुक्त होकर, हम भी उसके पुनरुत्थान में उसके साथ एक होंगे: क्योंकि हम जानते हैं कि हमारा पुराना शरीर उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था ताकि पाप के शरीर को दूर किया जा सके, कि हम फिर से जीवित न रहें पाप के दास, क्योंकि जो कोई मर गया है, वह पाप से मुक्त हो गया है।" (रोमियों 6:1-7)

"यह देखें कि कोई आपको खोखले और भ्रामक दर्शन के माध्यम से बंदी न बना ले, जो मानव परंपरा और इस दुनिया के बुनियादी सिद्धांतों पर निर्भर करता है न कि मसीह पर। क्योंकि मसीह में ईश्वर की सारी परिपूर्णता देह के रूप में रहती है, और तुझे मसीह में परिपूर्णता दी गई है, जो सब सामर्थ और अधिकार का प्रधान है। उस में तुम्हारा भी खतना हुआ, और पापी स्वभाव का नाश करके, मनुष्यों के हाथों खतना करके नहीं, परन्तु मसीह के द्वारा किए गए खतना के द्वारा, और उसके साथ बपतिस्मे में गाड़ा गया, और उस में तुम्हारे विश्वास के द्वारा जिलाया गया। परमेश्वर की शक्ति, जिसने उसे मरे हुआ में से जिलाया।" (कुलुस्सियों 2:8-12)

शायद मसीह के साथ रहने का सबसे अच्छा लाभ यह है कि जब सभी परमेश्वर के न्याय आसन के सामने खड़े होते हैं, धर्मी लोग यीशु को अपना वकील बनाते हैं!

प्रश्न

1. जब कोई मसीह के साथ अपने पुराने स्व को क्रूस पर चढ़ाता है, तो वह अपने पाप की मृत्यु के द्वारा उसके साथ एक हो जाता है, अनन्त जीवन का आश्वासन प्राप्त करता है और उसके पुनरुत्थान में उसके

F _____ B & C

4. People who have died to sin, been buried in water baptism and resurrected to a new spiritual life are united with Christ.

True _____ False _____

5. Where does the fullness of Deity dwell?

- A. _____ Bible
- B. _____ Christ
- C. _____ Apostles

Devoured by Desires

Lesson 5

Paul in Romans states that the Gospel is the power of God unto salvation (1:16), that faith comes from hearing or reading in such a way that the word of God is understood. (10:17) When we obey God's Word we die to sin. "... We died to sin; how can we live in it any longer? Or don't you know that all of us who were baptized into Christ Jesus were baptized into his death? We were therefore buried with him through baptism into death in order that, just as Christ was raised from the dead through the glory of the Father, we too may live a new life." (Romans 6:2-4)

This is the seed analogy. A seed must be planted, germinate and push up through the soil before it can become a glorious plant. As the plant continues to grow it may face many trials; for example, storms, flood, drought, fire, disease, bugs, birds, animals and man. Some plants may not be damaged at all while others may become deformed, broken down, eaten or cease to mature and die. As with plants, unpleasant things happen to Christians and they too may become deformed, broken down, devoured or just cease to mature and die as shown in the following scriptures.

"Be self-controlled and alert. Your enemy the devil prowls around like a roaring lion looking for someone to devour." (1 Peter 5:8)

"Once you were alienated from God and

साथ एक हो जाता है।

सही गलत _____

2. मोचन कहाँ पाया जाता है?

एक _____ केवल मसीह में विश्वास
बी _____ मोचन के लिए प्रार्थना प्रार्थना
सी _____ मसीह का खून

3. कोई नई सृष्टि कैसे बनता है?

A _____ जब कोई मानता है कि मसीह उनका उद्धारकर्ता है
B _____ जब कोई व्यक्ति बपतिस्मा के दफन द्वारा मसीह में प्रवेश करता है
C _____ जब शारीरिक मृत्यु के बाद पुनरुज्जीवित हुआ
डी _____ ए और सी
ई _____ ए और बी
एफ _____ बी एंड सी

4. जो लोग पाप के लिए मरे हैं, उन्हें पानी के बपतिस्मा में दफनाया गया है और

एक नए आत्मिक जीवन के लिए पुनरुत्थित मसीह के साथ एक हो गए हैं।

सही गलत _____

5. देवता की परिपूर्णता कहाँ वास करती है ?

ए _____ बाइबिल
बी _____ क्राइस्ट
सी. _____ प्रेरितों

इच्छाओं से भस्म

पाठ 5

रोमियों में पॉल कहता है कि सुसमाचार उद्धार के लिए परमेश्वर की शक्ति है (1:16), कि विश्वास सुनने या पढ़ने से इस तरह से आता है कि परमेश्वर का वचन समझ में आता है। (10:17) जब हम परमेश्वर के वचन का पालन करते हैं तो हम पाप के लिए मर जाते हैं। "... हम पाप के लिए मर गए; हम इसमें और कैसे जी सकते हैं? या क्या आप नहीं जानते कि हम सभी ने जो मसीह यीशु में बपतिस्मा लिया था, उसकी

were enemies in your minds because of your evil behavior. But now he has reconciled you by Christ's physical body through death to present you holy in his sight, without blemish and free from accusation **if you continue in your faith, established and firm, not moved from the hope held out in the gospel.**" (Colossians 1:21-23)

"See to it that no one takes you captive through hollow and deceptive philosophy, which depends on human tradition and the basic principles of this world rather than on Christ." (Colossians 2:8)

"Do not let anyone who delights in false humility and the worship of angels disqualify you for the prize. Such a person goes into great detail about what he has seen, and his unspiritual mind puffs him up with idle notions. He has lost connection with the Head." (Colossians 2:18-19a)

"All over the world this gospel is bearing fruit and growing, just as it has been doing among you since the day you heard it and understood God's grace in all its truth. You learned it from Epaphras, our dear fellow servant, who is a faithful minister of Christ on our behalf." (Colossians 1:6-7)

"Holding on to faith and a good conscience. Some have rejected these and so have shipwrecked their faith. Among them are Hymenaeus and Alexander, whom I have handed over to Satan to be taught not to blaspheme." (1 Timothy 1:19-20)

"The Spirit clearly says that in later times some will abandon the faith and follow deceiving spirits and things taught by demons. Such teachings come through hypocritical liars, whose consciences have been seared as with a hot iron. They forbid people to marry and order them to abstain from certain foods, which God created to be received with thanksgiving by those who believe and who know the truth." (1 Timothy 4:1-3)

मृत्यु में बपतिस्मा लिया गया था? इसलिए हम मृत्यु में बपतिस्मा के माध्यम से उसके साथ दफनाए गए थे ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुएों में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नया जीवन जीएं।" (रोमियों 6:2-4)

यह बीज सादृश्य है। एक शानदार पौधा बनने से पहले एक बीज को लगाया जाना चाहिए, अंकुरित होना चाहिए और मिट्टी में ऊपर की ओर धकेलना चाहिए। जैसे-जैसे पौधा बढ़ता रहता है, उसे कई परीक्षणों का सामना करना पड़ सकता है; उदाहरण के लिए, तूफान, बाढ़, सूखा, आग, बीमारी, कीड़े, पक्षी, जानवर और आदमी। कुछ पौधे बिल्कुल भी क्षतिग्रस्त नहीं हो सकते हैं जबकि अन्य विकृत हो सकते हैं, टूट सकते हैं, खा सकते हैं या परिपक्व होना बंद कर सकते हैं और मर सकते हैं। जैसा कि पौधों के साथ होता है, ईसाइयों के साथ अप्रिय चीजें होती हैं और वे भी विकृत हो सकते हैं, टूट सकते हैं, खा सकते हैं या परिपक्व होना बंद कर सकते हैं और मर सकते हैं जैसा कि निम्नलिखित शास्त्रों में दिखाया गया है।

"आत्म-नियंत्रित और सतर्क रहें। तेरा शत्रु शैतान गरजते हुए सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।" (1 पतरस 5:8)

"एक बार तुम परमेश्वर से दूर हो गए थे और अपने बुरे व्यवहार के कारण तुम्हारे मन में शत्रु थे। परन्तु अब उस ने मसीह की देह के द्वारा मृत्यु के द्वारा तुम्हारा मेल कर लिया है, कि यदि तुम अपने विश्वास में स्थिर और दृढ़ बने रहो, और सुसमाचार में रखी हुई आशा से न हटे, तो अपनी दृष्टि में पवित्र और दोषरहित और निर्दोष उपस्थित होओ।" (कुलुस्सियों 1:21-23)

"इस पर ध्यान रखना, कि कोई तुम्हें खोखली और कपटपूर्ण तत्त्वज्ञान के द्वारा बन्धुआई में न ले ले, जो मनुष्य की परम्पराओं और इस संसार के मूल सिद्धांतों पर निर्भर है, न कि मसीह पर।" (कुलुस्सियों 2:8)

"जो कोई झूठी दीनता और स्वर्गदूतों की उपासना से प्रसन्न होता है, वह तुम्हें पुरस्कार के योग्य न ठहराए। ऐसा व्यक्ति जो कुछ देखा है उसके बारे में बहुत विस्तार से जाता है, और उसका अध्यात्मिक दिमाग उसे बेकार की धारणाओं से भर देता है। उसका सिर से नाता टूट गया है।" (कुलुस्सियों 2:18-19क)

"For the love of money is a root of all kinds of evil. Some people, eager for money, have wandered from the faith and pierced themselves with many griefs." (1 Timothy 6:10)

"Timothy, guard what has been entrusted to your care. Turn away from godless chatter and the opposing ideas of what is falsely called knowledge, which some have professed and in so doing have wandered from the faith." (1 Timothy 6:20-21)

"Avoid godless chatter, because those who indulge in it will become more and more ungodly. Their teaching will spread like gangrene. Among them are Hymenaeus and Philetus, who have wandered away from the truth. They say that the resurrection has already taken place." (2 Timothy 2:16-18)

"For Demas, because he loved this world, has deserted me." (2 Timothy 4:10)

"For there are many rebellious people, mere talkers and deceivers, especially those of the circumcision group. They must be silenced, because they are ruining whole households by teaching things they ought not to teach—and that for the sake of dishonest gain." (Titus 1:10-11)

"I am astonished that you are so quickly deserting the one who called you by the grace of Christ and are turning to a different gospel." (Galatians 1:6)

"If, while we seek to be justified in Christ, it becomes evident that we ourselves are sinners, does that mean that Christ promotes sin? Absolutely not!" (Galatians 2:17)

"You are observing special days and months and seasons and years! I fear for you, that somehow I have wasted my efforts on you." (Galatians 4:10-11)

"Mark my words! I, Paul, tell you that if you

"यह सुसमाचार सारे जगत में फल ला रहा है और बढ़ रहा है, जैसा यह तुम्हारे बीच उस दिन से करता आ रहा है जब से तुम ने इसे सुना और परमेश्वर के अनुग्रह को उसके सारे सत्य में समझ लिया। यह तू ने हमारे प्रिय संगी दास इपफ्रास से सीखा, जो हमारी ओर से मसीह का विश्वासयोग्य सेवक है।" (कुलुस्सियों 1:6-7)

"विश्वास और अच्छे विवेक को थामे रहो। कुछ लोगों ने इन्हें ठुकरा दिया है और इसलिए उनके विश्वास को नष्ट कर दिया है। उनमें से हाइमेनियस और सिकंदर हैं, जिन्हें मैं ने शैतान को सौंप दिया है, कि उन्हें निन्दा न करना सिखाया जाए।" (1 तीमुथियुस 1:19-20)

"आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है कि बाद के समय में कुछ लोग विश्वास को त्याग देंगे और धोखेबाज आत्माओं और दुष्टात्माओं द्वारा सिखाई गई बातों का अनुसरण करेंगे। ऐसी शिक्षा पाखंडी झूठे लोगों के माध्यम से आती है, जिनके अंतःकरण को गर्म लोहे की तरह दागा गया है। वे लोगों को विवाह करने से मना करते हैं और उन्हें कुछ खाद्य पदार्थों से दूर रहने का आदेश देते हैं, जिन्हें परमेश्वर ने उन लोगों द्वारा धन्यवाद के साथ प्राप्त करने के लिए बनाया है जो विश्वास करते हैं और जो सत्य को जानते हैं।" (1 तीमुथियुस 4:1-3)

"क्योंकि धन का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है। कितने लोग जो रुपयों के लिए लालायित हैं, विश्वास से भटक गए हैं, और बहुत दुखों से अपने आप को बेध लिया है।" (1 तीमुथियुस 6:10)

"तीमुथियुस, जो तुम्हारी देखभाल के लिए सौंपा गया है उसकी रक्षा करो। भक्तिहीन बकबक और उस ज्ञान के विरोधी विचारों से दूर रहो, जिसे झूठा ज्ञान कहा जाता है, जिसे कितनों ने माना और ऐसा करके विश्वास से भटक गए हैं।" (1 तीमुथियुस 6:20-21)

"ईश्वरविहीन बकवास से बचें, क्योंकि जो लोग इसमें लिप्त होते हैं वे अधिक से अधिक अधर्मी हो जाएंगे। उनकी शिक्षा गैंगरीन की तरह फैल जाएगी। उनमें से हाइमेनियस और फिलेतुस हैं, जो सच्चाई से भटक गए हैं। वे कहते हैं कि पुनरुत्थान हो चुका है।" (2 तीमुथियुस 2:16-18)

"क्योंकि देमास ने इस जगत से प्रेम रखने के कारण मुझे छोड़ दिया है।" (2 तीमुथियुस 4:10)

let yourselves be circumcised, Christ will be of no value to you at all. Again I declare to every man who lets himself be circumcised that he is obligated to obey the whole law. You who are trying to be justified by law have been alienated from Christ; you have fallen away from grace." (Galatians 5:2-4)

"You were running a good race. Who cut in on you and kept you from obeying the truth?" (Galatians 5:7)

What good is it, my brothers, if a man claims to have faith but has no deeds? Can such faith save him?" (James 2:14)

"In the same way, faith by itself, if it is not accompanied by action, is dead. (James 2:17)

"Therefore, my brothers, be all the more eager to make your calling and election sure. For if you do these things, you will never fall," (2 Peter 1:10) and by implication if you do not do these things you will fall.

"But there were also false prophets among the people, just as there will be false teachers among you. They will secretly introduce destructive heresies, even denying the sovereign Lord who bought them-bringing swift destruction on themselves." (2 Peter 2:1)

"Therefore, dear friends, since you already know this, be on your guard so that you may not be carried away by the error of lawless men and fall from your secure position." (2 Peter 3:17)

"These men are blemishes at your love feasts, eating with you without the slightest qualm-shepherds who feed only themselves. They are clouds without rain, blown along by the wind; autumn trees, without fruit and uprooted-twice dead." (Jude 12)

Jude clearly states others were devoured. "Though you already know all this, I want to

"क्योंकि बहुत से विद्रोही लोग हैं, जो केवल बातें करनेवाले और धोखेबाज़ हैं, विशेषकर खतना करनेवाले समूह के लोग। वे खामोश रहें, क्योंकि वे उन बातों की शिक्षा देकर सारे घराने को उजाड़ देते हैं जो उन्हें नहीं सिखानी चाहिए, और वह भी बेईमानी के लाभ के लिए।" (तीतुस 1:10-11)

"मैं चकित हूँ कि जिस ने तुम्हें मसीह के अनुग्रह से बुलाया है, उसे तुम इतनी जल्दी छोड़कर दूसरे सुसमाचार की ओर फिरते हो।" (गलातियों 1:6)

"यदि हम मसीह में धर्मी ठहराए जाने का प्रयास करते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हम स्वयं पापी हैं, क्या इसका अर्थ यह है कि मसीह पाप को बढ़ावा देता है? बिल्कुल नहीं!" (गलातियों 2:17)

"आप विशेष दिनों और महीनों और ऋतुओं और वर्षों को देख रहे हैं! मैं तेरा भय मानना, कहीं मैं ने तुझ पर अपना परिश्रम व्यर्थ न किया हो।" (गलातियों 4:10-11)

"मेरी बात याद रखना! मैं, पौलुस, तुम से कहता हूँ, कि यदि तुम अपना खतना कराओगे, तो मसीह का तुम्हारे लिए कुछ भी मूल्य नहीं होगा। मैं फिर से हर उस आदमी से घोषणा करता हूँ जो खुद को खतना करने देता है, कि वह पूरे कानून का पालन करने के लिए बाध्य है। तुम जो व्यवस्था के द्वारा धर्मी ठहराए जाने का प्रयत्न करते हो, मसीह से अलग कर दिए गए हो; तुम अनुग्रह से गिर गए हो।" (गलातियों 5:2-4)

"आप एक अच्छी दौड़ चला रहे थे। किस ने तुम को काट डाला, और तुम्हें सत्य की आज्ञा मानने से रोका?" (गलातियों 5:7)
हे मेरे भाइयो, यदि कोई मनुष्य ईमान होने का दावा करे, पर कर्म न करे तो क्या लाभ? क्या ऐसा विश्वास उसे बचा सकता है?" (याकूब 2:14)

"इसी तरह, विश्वास अपने आप में, यदि वह कर्म के साथ नहीं है, तो मरा हुआ है। (याकूब 2:17)

"इसलिये हे मेरे भाइयो, अपनी बुलाहट और चुनाव को सुनिश्चित करने के लिये और भी अधिक उत्सुक रहो। क्योंकि यदि तुम ये काम करो, तो कभी न गिरोगे।" (2 पतरस 1:10) और इसका आशय यह है कि यदि तुम इन कामों को नहीं करोगे तो तुम गिरोगे।

remind you that the Lord delivered his people out of Egypt, but later destroyed those who did not believe. And the angels who did not keep their positions of authority but abandoned their own home-these he has kept in darkness, bound with everlasting chains for judgment on the great Day." (Jude 5-7)

Questions

1. When Paul stated in Colossians that Christ would present Christians holy and blameless "provided that you continue in the faith" he left no doubt that those who did not continue in the faith would not be presented holy and blameless.

True _____ False _____

2. The disciple Demas, Paul's companion, deserted Paul and returned to his former worldly life.

True _____ False _____

3. Peter warned Christians to beware lest they be carried away from their secure position.

True _____ False _____

4. Even angels were carried away leaving their place and are being held in darkness until judgment.

True _____ False _____

5. The craving for money causes some to wander away from the faith.

True _____ False _____

Spiritual Clothing

Lesson 6

Those who have been buried into Christ through immersion in water upon hearing and believing Jesus is the Son of God, the perfect sacrifice for sin, have been added into His Body, that is, to the Church He established. "You are all sons of God through faith in Christ Jesus, for all of you who were baptized into Christ have clothed yourselves with Christ." (Galatians 3:26-27)

"परन्तु प्रजा में झूठे भविष्यद्वक्ता भी थे, जैसे तुम्हारे बीच में झूठे उपदेशक होंगे। वे नाश करने वाले विधर्मियों का गुप्त रूप से परिचय देंगे, यहां तक कि प्रभु यहोवा का भी इन्कार करेंगे, जिस ने उन्हें मोल लिया है, और वे अपने आप को शीघ्र नाश करने वाले हैं।" (2 पतरस 2:1)

"इसलिये हे प्रियो, जब से तुम यह जानते हो, तो सावधान रहो, कि अधर्मियों के भ्रम में फंसकर तुम अपने सुरक्षित स्थान से न गिरो।" (2 पतरस 3:17)

"ये लोग तुम्हारे प्रेम पर्वों में दोष हैं, तुम्हारे साथ भोजन करते हैं, बिना जरा सी भी हिचकिचाहट-चरवाहे जो केवल अपना पेट भरते हैं। वे बिना वर्षा के बादल हैं, जो हवा से उड़ाए जाते हैं; पतझड़ के पेड़, बिना फल के और जड़ से उखड़ गए - दो बार मर गए।" (यहूदा 12)

यहूदा स्पष्ट रूप से कहता है कि दूसरों को खा लिया गया। "यद्यपि तुम यह सब जानते हो, तौभी मैं तुम्हें स्मरण दिलाना चाहता हूं, कि यहोवा ने अपक्की प्रजा को मिस्र से छुड़ाया, परन्तु बाद में विश्वास न करनेवालोंको सत्यानाश कर डाला। और जिन स्वर्गदूतोंने अपने अपने पद को न रखा, पर अपने घर को त्याग दिया, उन उस ने उस बड़े दिन के न्याय के लिथे सदा के बन्धन से बँधे हुए अन्धेरे में रखा है।" (यहूदा 5-7)

प्रश्न

1. जब पॉल ने कुलुस्सियों में कहा कि मसीह ईसाइयों को पवित्र और निर्दोष प्रस्तुत करेगा "बशर्ते कि आप विश्वास में बने रहें" उन्होंने इसमें कोई संदेह नहीं छोड़ा कि जो लोग विश्वास में नहीं रहते थे उन्हें पवित्र और निर्दोष नहीं पेश किया जाएगा।

सही गलत _____

3. पॉल के साथी शिष्य देमास ने पॉल को छोड़ दिया और अपने पूर्व सांसारिक जीवन में लौट आए।

सही गलत _____

3. पतरस ने मसीहियों को चेतावनी दी कि वे सावधान रहें, कहीं ऐसा न हो कि वे बहक जाएँ

उनकी सुरक्षित स्थिति से।

सही गलत _____

It is imperative we become more like Him.

We must study to learn and understand the apostles' teaching, their letters and epistles, which the Holy Spirit of God guided them to write. We are now the Church, the sanctified, or those called out of sin to obedience, or simply the Body. It is by the things we wear or put on (not meaning material clothes but way of living) that the world will know we are His disciples.

The leaders of the Jews questioned Jesus "Teacher, which is the greatest commandment in the Law?" Jesus replied: 'Love the Lord your God with all your heart and with all your soul and with all your mind.' This is the first and greatest commandment. And the second is like it: 'Love your neighbor as yourself.' All the Law and the Prophets hang on these two commandments." (Matthew 22:36-40) Jesus also stated in John 13:34 "A new command I give you: Love one another. As I have loved you, so you must love one another."

A life based upon love, first of God, then of man, will always seek to do good things, to serve rather than aiming for power, prestige, wealth or fame. Paul gives us a good list in Colossians 3:12-17. "Therefore, as God's chosen people, holy and dearly loved, clothe yourselves with compassion, kindness, humility, gentleness and patience. Bear with each other and forgive whatever grievances you may have against one another. Forgive as the Lord forgave you. And over all these virtues put on love, which binds them all together in perfect unity. Let the peace of Christ rule in your hearts, since as members of one body you were called to peace. And be thankful. Let the word of Christ dwell in you richly as you teach and admonish one another with all wisdom, and as you sing psalms, hymns and spiritual songs with gratitude in your hearts to God. And whatever you do, whether in word or deed, do it all in the name of the Lord Jesus, giving thanks to God the Father through him."

4. फ़रिश्ते भी अपना स्थान छोड़कर उठा ले गए और न्याय होने तक अँधेरे में पड़े रहे।

सही गलत _____

5. पैसे की लालसा कुछ लोगों को विश्वास से भटका देती है।

सही गलत _____

आध्यात्मिक वस्त्र

पाठ 6

जिन लोगों को यीशु को परमेश्वर का पुत्र, पाप के लिए सिद्ध बलिदान, सुनने और विश्वास करने पर पानी में विसर्जन के माध्यम से मसीह में दफनाया गया है, उन्हें उनके शरीर में जोड़ा गया है, अर्थात् चर्च में उन्होंने स्थापित किया है। "तुम सब मसीह यीशु पर विश्वास करने के द्वारा परमेश्वर की सन्तान हो, क्योंकि तुम में से जितनों ने मसीह का बपतिस्मा लिया है, तुम ने अपने आप को मसीह को पहिन लिया है।" (गलतियों 3:26-27)

यह जरूरी है कि हम उसके जैसे और बनें.

हमें प्रेरितों की शिक्षाओं, उनके पत्रों और पत्रों को सीखने और समझने के लिए अध्ययन करना चाहिए, जिन्हें लिखने के लिए परमेश्वर की पवित्र आत्मा ने उन्हें निर्देशित किया था। अब हम चर्च हैं, पवित्र हैं, या जिन्हें पाप से आज्ञाकारिता के लिए बुलाया गया है, या केवल शरीर। यह उन चीजों से है जो हम पहनते हैं या पहनते हैं (भौतिक कपड़े नहीं बल्कि जीने का तरीका) जिससे दुनिया को पता चलेगा कि हम उनके शिष्य हैं।

यहूदियों के नेताओं ने यीशु से सवाल किया "गुरु, कानून में सबसे बड़ी आज्ञा कौन सी है?" यीशु ने उत्तर दिया: 'अपने परमेश्वर यहोवा से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि से प्रेम रखना।' यह पहली और सबसे बड़ी आज्ञा है, और दूसरी इसके समान है: 'अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखो।' सारी व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता इन्हीं दो आज्ञाओं पर टिके हुए हैं।" (मती 22:36-40) यीशु ने यूहन्ना 13:34 में भी कहा, "मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूँ: एक दूसरे से प्रेम रखो। जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा है, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो।"

प्रेम पर आधारित जीवन, पहले ईश्वर का, फिर मनुष्य का, शक्ति,

Also in Galatians 5:22-26 "But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, patience, kindness, goodness, faithfulness, gentleness and self-control. Against such things there is no law. Those who belong to Christ Jesus have crucified the sinful nature with its passions and desires. Since we live by the Spirit, let us keep in step with the Spirit. Let us not become conceited, provoking and envying each other."

"You were taught, with regard to your former way of life, to put off your old self, which is being corrupted by its deceitful desires; to be made new in the attitude of your minds; and to put on the new self, created to be like God in true righteousness and holiness." (Ephesians 4:22-24)

In Galatians 5:19-21 Paul identifies some things not to do or become "The acts of the sinful nature are obvious: sexual immorality, impurity and debauchery; idolatry and witchcraft; hatred, discord, jealousy, fits of rage, selfish ambition, dissensions, factions and envy; drunkenness, orgies, and the like. I warn you, as I did before, that those who live like this will not inherit the kingdom of God."

Finally, John makes it very clear in Revelation 21:8 "But the cowardly, the unbelieving, the vile, the murderers, the sexually immoral, those who practice magic arts, the idolaters and all liars - their place will be in the fiery lake of burning sulfur. This is the second death."

Paul tells us what to remove to remove from our life and how to live the spiritual life. "Therefore, each of you must put off falsehood and speak truthfully to his neighbor, for we are all members of one body. 'In your anger do not sin': Do not let the sun go down while you are still angry, and do not give the devil a foothold. He who has been stealing must steal no longer, but must work, doing something useful with his own hands, that he may have something to

प्रतिष्ठा, धन या प्रसिद्धि के लक्ष्य के बजाय सेवा करने के लिए हमेशा अच्छा काम करना चाहता है। कुलुस्सियों 3:12-17 में पौलुस हमें एक अच्छी सूची देता है। "इसलिए, भगवान के चुने हुए लोगों के रूप में, पवित्र और प्रिय, अपने आप को करुणा, दया, नम्रता, नम्रता और धैर्य के साथ तैयार करें। एक दूसरे के साथ सहन करें और एक दूसरे के खिलाफ जो भी शिकायतें हों उन्हें क्षमा करें। क्षमा करें जैसे प्रभु ने आपको क्षमा किया है। और अधिक ये सभी गुण प्रेम पर डालते हैं, जो उन सभी को पूर्ण एकता में एक साथ बांधते हैं। मसीह की शांति को अपने दिलों में रहने दो, क्योंकि एक शरीर के सदस्यों के रूप में आप शांति के लिए बुलाए गए थे। और आभारी रहें। मसीह का वचन आप में रहने दो जैसे तू एक दूसरे को सारी बुद्धि से शिक्षा देता, और चिताता है, और परमेश्वर के प्रति अपने हृदय में कृतज्ञता के साथ भजन, स्तुति और आत्मिक गीत गाता है।

गलातियों 5:22-26 में भी "परन्तु आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, सच्चाई, नम्रता और संयम है। ऐसी बातों के विरुद्ध कोई व्यवस्था नहीं। जो मसीह यीशु के हैं। पापी स्वभाव को उसकी अभिलाषाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। जब हम आत्मा के द्वारा जीते हैं, तो आओ हम आत्मा के अनुसार चलें। हम अभिमानी, उतेजित और एक दूसरे से ईर्ष्या न करें।"

"आपको अपने पुराने जीवन के संबंध में सिखाया गया था, अपने पुराने आत्म को दूर करने के लिए, जो अपनी कपटपूर्ण इच्छाओं से भ्रष्ट हो रहा है; अपने दिमाग के दृष्टिकोण में नया बनाया जाए; और नए आत्म को धारण करने के लिए, बनाया गया सच्ची धार्मिकता और पवित्रता में परमेश्वर के समान बनो।" (इफिसियों 4:22-24)

गलातियों 5:19-21 में पॉल कुछ चीजों को न करने या बनने की पहचान करता है "पापी प्रकृति के कार्य स्पष्ट हैं: यौन अनैतिकता, अशुद्धता और व्यभिचार; मूर्तिपूजा और जादू टोना; घृणा, कलह, ईर्ष्या, क्रोध के दौरे, स्वार्थी महत्वाकांक्षा, फूट, फूट, और डाह, मतवालेपन, तांडव, और इसी प्रकार की अन्य बातें। जैसा मैं ने पहिले किया, वैसा ही मैं तुम्हें चितौनी देता हूं, कि जो लोग इस प्रकार से जीते हैं, वे परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।

अंत में, यूहन्ना प्रकाशितवाक्य 21:8 में इसे बहुत स्पष्ट करता है

share with those in need. Do not let any unwholesome talk come out of your mouths, but only what is helpful for building others up according to their needs, that it may benefit those who listen. And do not grieve the Holy Spirit of God, with whom you were sealed for the day of redemption." (Ephesians 4:25-30)

Having been reconciled to God by obedience to His message and putting on things pleasing to Him we grow more like Him.

Questions

1. According to Jesus the two greatest commandments are to love God and to love one's fellowman.

True _____ False _____

2. What binds everything together in perfect unity?

A ___ Faith

B ___ Hope

C ___ Love

3. Christians who walk by the Spirit

A ___ are not self-conceited.

B ___ do not provoke another.

C ___ do not envy.

D ___ both B and C.

E ___ all the above.

4. Christians in Galatia were warned they would not enter the Kingdom of Heaven if they participated in the works of the flesh.

True _____ False _____

5. To whom was the apostle Paul referring when he said put away falsehood, don't steal anymore, speak no evil and do not grieve the Holy Spirit?

A ___ Christians

B ___ Non-Christian

"लेकिन कायर, अविश्वासी, नीच, हत्यारे, अनैतिक काम करने वाले, जादू-टोना करने वाले, मूर्तिपूजक और सभी झूठे - उनका स्थान आग की झील में होगा सल्फर जलाने से। यह दूसरी मौत है।"

पॉल हमें बताता है कि अपने जीवन से क्या हटाना है और आध्यात्मिक जीवन कैसे जीना है। "इसलिये तुम में से प्रत्येक असत्य को त्यागकर अपने पड़ोसी से सच्ची बात कहना, क्योंकि हम सब एक ही देह के अंग हैं। क्रोध में पाप मत करना। शैतान को पैर जमाने न दे: जो चोरी करता है, वह फिर चोरी न करे, पर अपने ही हाथों से कुछ उपयोगी काम करता रहे, जिस से उसके पास जरूरतमंदों को देने के लिए कुछ हो। कोई गंदी बात उसमें से न निकले। अपने मुंह, परन्तु केवल वही जो दूसरों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार बनाने में सहायक हो, कि इससे सुनने वालों को लाभ हो: और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित न करें, जिसके साथ तुम पर छुटकारे के दिन के लिए मुहर लगाई गई थी।" (इफिसियों 4:25-30)

उसके संदेश का पालन करने और उसे प्रसन्न करने वाली चीजों को पहनकर परमेश्वर के साथ मेल मिलाप करने के बाद, हम उसके जैसे और अधिक विकसित होते हैं।

प्रश्न

1. यीशु के अनुसार दो सबसे बड़ी आज्ञाएँ हैं परमेश्वर से प्रेम करना और अपने साथी से प्रेम करना।

सही गलत _____

2. क्या सब कुछ एक साथ पूर्ण एकता में बांधता है?

ए ___ आस्था

बी ___ आशा

सी ___ प्यार

3. ईसाई जो आत्मा के अनुसार चलते हैं

एक ___ स्व-अभिमानि नहीं हैं।

बी ___ दूसरे को उत्तेजित न करें।

ग ___ ईर्ष्या न करें।

डी ___ बी और सी दोनों।

ई ___ उपरोक्त सभी।

4. गलातिया में ईसाइयों को चेतावनी दी गई थी कि यदि वे मांस के

Functions - Within the Spiritual Body

All who have obeyed from the heart the message of reconciliation have put on Christ and have

1. died to sin
2. been buried or immersed in water (baptism)
3. been raised a new being
4. been added to the Body of Christ and are in Him, in Christ

As disciples of Christ we constitute a spiritual body and just like the human body there are many functions the body must perform if it is to grow. All activity must be functioning in unity for the body to be effective and efficient, therefore all parts of the body do not do the same thing. "For as in one body we have many members, and all the members do not have the same function so we, though many, are one body in Christ, and individually members one of another." (Romans 12:4-5)

Paul, while in prison, provided insight into spiritual gifts when he wrote "I, therefore, the prisoner of the Lord, beseech you to walk worthy of the calling with which you were called, with all lowliness and gentleness, with longsuffering, bearing with one another in love, endeavoring to keep the unity of the Spirit in the bond of peace. There is one body and one Spirit, just as you were called in one hope of your calling; one Lord, one faith, one baptism; one God and Father of all, who is above all, and through all, and in you all. But to each one of us grace was given according to the measure of Christ's gift." (Ephesians 4:1-6)

"And He Himself gave some to be apostles, some prophets, some evangelists, and some pastors and teachers, for the equipping of the saints for the work of ministry [serving (rd)], for the edifying of the body of Christ, till we all come to the unity of the faith and of the knowledge of the Son of God, to a perfect man, to the measure of the stature of the fullness of Christ; that we should no longer be children, tossed to and fro and

कार्यों में भाग लेते हैं तो वे स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेंगे।
सही गलत _____

5. जब प्रेरित पौलुस ने कहा, कि झूठ को दूर करो, फिर चोरी मत करो, बुराई मत करो, और पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, तब प्रेरित पौलुस किसकी ओर इशारा कर रहा था?
ए ___ ईसाई
बी ___ गैर-ईसाई

कार्य - आध्यात्मिक शरीर के भीतर

पाठ 7

जितनों ने मन से आज्ञा मानी है, मेल-मिलाप का सन्देश मसीह को पहिन लिया है, और पा लिया है

5. पाप के लिए मर गया
6. दफनाया गया या पानी में डुबोया गया (बपतिस्मा)
7. एक नया प्राणी उठाया गया है
8. मसीह की देह में जुड़ गए हैं और उसी में हैं, मसीह में हैं

मसीह के शिष्यों के रूप में हम एक आध्यात्मिक शरीर का निर्माण करते हैं और मानव शरीर की तरह ही ऐसे कई कार्य हैं जो शरीर को विकसित होने के लिए करना चाहिए। शरीर के प्रभावी और कुशल होने के लिए सभी गतिविधियों को एकता में कार्य करना चाहिए, इसलिए शरीर के सभी अंग एक ही काम नहीं करते हैं। "क्योंकि जैसे एक देह में हमारे बहुत से अंग होते हैं, और सब अंगों का काम एक सा नहीं होता, वैसे ही हम बहुत होते हुए भी मसीह में एक देह हैं, और एक दूसरे के अंग एक दूसरे के अंग हैं।" (रोमियों 12:4-5)

पॉल ने जेल में रहते हुए, आध्यात्मिक उपहारों में अंतर्दृष्टि प्रदान की, जब उन्होंने लिखा "मैं, इसलिए, प्रभु का कैदी, आपसे उस बुलाहट के योग्य चलने के लिए विनती करता हूँ जिसके साथ आपको बुलाया गया था, सभी दीनता और नम्रता के साथ, धीरज के साथ, सहनशीलता के साथ एक दूसरे के प्रेम में, आत्मा की एकता को शांति के बंधन में बनाए रखने का प्रयास। एक शरीर और एक आत्मा है, जैसा कि आपको अपनी बुलाहट की एक आशा में बुलाया गया था; एक भगवान, एक विश्वास, एक बपतिस्मा; एक भगवान और सब का पिता, जो सब से ऊपर, और

carried about with every wind of doctrine, by the trickery of men, in the cunning craftiness of deceitful plotting, but, speaking the truth in love, may grow up in all things into Him who is the head — Christ — from whom the whole body, joined and knit together by what every joint supplies, according to the effective working by which every part does its share, causes growth of the body for the edifying of itself in love." (Ephesians 4:9-16)

Perhaps the most crucial functions are never seen while others are always seen.

The spiritual body's functions listed below are from Romans 12:6-8:

- Prophecy, let us prophesy in proportion to our faith
- Service or ministry, let us use it in our serving or ministering
- He who teaches, in teaching
- He who exhorts, in exhortation
- He who gives or contributes, with liberality
- He who leads, with diligence
- Perform acts of mercy with cheerfulness

In performing these activities, we must continue to live a life pleasing to God. Romans 12 tells us how we are to live before God:

- Be genuine in Love.
- Hate what is evil, hold fast to what is good.
- Love one another with brotherly affection.
- Outdo one another in showing honor.
- Never lag in zeal, be aglow [fervent] with the Spirit, serve the Lord.
- Rejoice in your hope, be patient in tribulation, be constant in prayer.
- Contribute to the needs of the saints, practice hospitality [take care of needs].
- Speak well of those who persecute you; bless and do not curse them.
- Rejoice with those who rejoice, weep with those who weep
- Live in harmony with one another; do

सब के द्वारा, और तुम सब में है: परन्तु हम में से हर एक को मसीह के दान के परिमाण के अनुसार अनुग्रह दिया गया।" (इफिसियों 4:1-6)

"और उसने स्वयं कुछ को प्रेरित, कुछ भविष्यद्वक्ता, कुछ प्रचारक, और कुछ पादरी और शिक्षक, सेवकाई के काम के लिए संतों को तैयार करने के लिए [सेवा (rd)], मसीह के शरीर के संपादन के लिए, जब तक हम सब विश्वास की एकता और परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान की एकता के लिए, एक सिद्ध व्यक्ति के लिए, मसीह की परिपूर्णता के कद के माप के लिए आते हैं; कि हम अब बच्चे नहीं रहें, इधर-उधर फेंके और ढोए जाएं के बारे में सिद्धांत की हर हवा के साथ, पुरुषों की छल से, छल की साजिश की धूर्तता में, लेकिन, प्यार में सच बोलना, सभी चीजों में उस में बढ़ सकता है जो सिर है - मसीह - जिससे सारा शरीर। प्रत्येक संयुक्त आपूर्ति, प्रभावी कामकाज के अनुसार जिसके द्वारा हर हिस्सा अपना हिस्सा करता है, से जुड़ते और बुनते हैं, प्रेम से अपनी उन्नति के लिये देह की वृद्धि करता है।" (इफिसियों 4:9-16)

शायद सबसे महत्वपूर्ण कार्य कभी नहीं देखे जाते हैं जबकि अन्य हमेशा देखे जाते हैं।

नीचे सूचीबद्ध आध्यात्मिक शरीर के कार्य रोमियों 12:6-8 से हैं:

- भविष्यवाणी, आइए हम अपने विश्वास के अनुपात में भविष्यवाणी करें
- सेवा या सेवकाई, आइए हम इसे अपनी सेवा या सेवकाई में उपयोग करें
- वह जो पढ़ाता है, अध्यापन में
- वह जो प्रोत्साहित करता है, उपदेश में
- वह जो उदारता से देता है या योगदान देता है
- जो नेतृत्व करता है, परिश्रम के साथ
- प्रसन्नता के साथ दया के कार्य करें

इन गतिविधियों को करते हुए, हमें ईश्वर को प्रसन्न करने वाला जीवन जीना जारी रखना चाहिए। रोमियों 12 हमें बताता है कि हमें परमेश्वर के सामने कैसे रहना है:

- प्यार में सच्चे रहें।
- बुराई से घृणा करो, भलाई को थामे रहो।
- भाईचारे के प्यार से एक-दूसरे से प्यार करें।

not be haughty.

- Associate with the lowly.
- Never be conceited.
- Repay no one evil for evil, but take thought for what is noble in the sight of all.
- If possible, so far as it depends upon you, live peaceably with all.
- Beloved, never avenge yourselves, but leave it to the wrath of God.
- Do good things to your enemy for by so doing you will heap burning coals on his head.

From Ephesians 4:11-13 we see that in order to prepare His people for works of service to build up the body so it could mature and reach unity in the faith and in the knowledge of the Son of God He gave some to be:

- apostles
- prophets
- evangelists
- teaching pastors, shepherds, bishops or overseeing watchmen

Therefore in the Body of Christ we do not all perform the same functions but become servants, doing whatever needs to be done and give honor to everyone not just to those who have a more public function.

Questions

1. God is the one who adds those who have put on Christ to the church Christ established
True _____ False _____
2. The body of Christ has many functions to perform therefore each individual Christian must do every function.
True _____ False _____
3. Functions of apostles, prophets, evangelists, overseeing watchmen [or teaching pastors] are to
A _____ assign tasks or functions to every Christian.
B _____ prepare Christians for works of service to mature them.

- आदर दिखाने में एक दूसरे से आगे निकल जाएँ।
- जोश में कभी देर न करें, आत्मा से प्रफुल्लित [उत्साही] हों, प्रभु की सेवा करें।
- अपनी आशा में आनन्दित रहो, क्लेश में सब्र करो, प्रार्थना में लगे रहो।
- संतों की जरूरतों में योगदान दें, आतिथ्य का अभ्यास करें [जरूरतों का ख्याल रखें]।
- उन लोगों के बारे में अच्छा बोलें जो आपको सताते हैं; आशीर्वाद दें और उन्हें शाप न दें।
- आनन्द करनेवालों के साथ आनन्द मनाओ, रोनेवालों के साथ रोओ
 - एक दूसरे के साथ सद्भाव में रहें; अभिमानी मत बनो।
 - दीन के साथ सहयोगी।
 - कभी भी अभिमानी न हों।
 - बुराई के बदले किसी की बुराई न करें, परन्तु जो सब की दृष्टि में नेक है उसके लिए विचार करें।
 - हो सके तो जहां तक आप पर निर्भर है, सबके साथ शांति से रहें।
 - प्रियों, कभी अपना बदला मत लो, बल्कि इसे परमेश्वर के क्रोध पर छोड़ दो।
 - अपने शत्रु से भलाई करें, क्योंकि ऐसा करने से तू उसके सिर पर जलते अंगारोंका ढेर लगाएगा।

इफिसियों 4:11-13 से हम देखते हैं कि अपने लोगों को सेवा के कामों के लिए तैयार करने के लिए शरीर को बनाने के लिए ताकि यह परिपक्व हो सके और विश्वास में एकता तक पहुंच सके और परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान में उसने कुछ होने के लिए दिया:

- प्रेरित
- भविष्यवक्ताओं
- इंजीलवादी
- पादरियों, चरवाहों, धर्माध्यक्षों या चौकीदारों को पढ़ाना

इसलिए मसीह की देह में हम सभी समान कार्य नहीं करते हैं, बल्कि सेवक बन जाते हैं, जो कुछ भी करने की आवश्यकता होती है उसे करते हैं और न केवल उन लोगों को सम्मान देते हैं जिनके पास अधिक सार्वजनिक कार्य है।

प्रश्न

4. In order to reach unity in the church we must grow in knowledge of the Word and do the works of the Body, the Church.

True _____ False _____

5 Christians are servants of God, therefore we can select what we want to do rather than do what our Master needs to have done.

True _____ False _____

Remaining Faithful

Lesson 8

Now I would remind you, brothers, of the gospel I preached to you, which you received, in which you stand, and by which you are being saved, if you hold fast to the word I preached to you— unless you believed in vain. For I delivered to you as of first importance what I also received: that Christ died for our sins in accordance with the Scriptures, that he was buried, that he was raised on the third day in accordance with the Scriptures, 1 Cor 15:14 ESV

Once someone has:

A. Heard the Gospel Message that Jesus

1. was God who came to earth in the flesh
2. was crucified on the cross for our sins – the atoning sacrifice
3. was buried rising again on the third day
4. was seen by many who knew him best

B. Responds to that message by:

1. believing He is the Son of God
2. repenting of all unrighteousness
3. changing one's way of life to one of godliness
4. dying to sin, leaving the sinful body in the grave of baptism

C. Once someone hears and responds to the gospel, they are resurrected from the water of baptism, by the power of God, as a new creation. They become a

1. परमेश्वर वह है जो मसीह को पहिन्नने वालों को उस कलीसिया में जोड़ता है जिसे मसीह ने स्थापित किया था

सही गलत _____

3. मसीह के शरीर में कई कार्य करने हैं इसलिए प्रत्येक व्यक्तिगत ईसाई को हर कार्य करना चाहिए।

सही गलत _____

3. प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, प्रचारकों, देखरेख करने वाले पहरेदारों [या पादरी को पढ़ाने] के कार्य हैं

एक _____ प्रत्येक ईसाई को कार्य या कार्य सौंपता है।

ख _____ ईसाइयों को परिपक्व बनाने के लिए सेवा के कार्यों के लिए तैयार करते हैं।

4. कलीसिया में एकता तक पहुँचने के लिए हमें ज्ञान में बढ़ना चाहिए वचन का और शरीर, कलीसिया के कार्य करते हैं।

सही गलत _____

5 ईसाई भगवान के सेवक हैं, इसलिए हम चुन सकते हैं कि हम क्या हैं करने के बजाय वह करना चाहते हैं जो हमारे गुरु को करने की आवश्यकता है।

सही गलत _____

वफादार बने रहना

पाठ 8

अब मैं तुम्हें उस सुसमाचार की याद दिलाऊंगा जो मैंने तुम्हें सुनाया था, जिसे तुमने प्राप्त किया था, जिसमें तुम खड़े हो, और जिसके द्वारा तुम्हारा उद्धार हो रहा है, यदि तुम उस वचन को धारण करते हो जो मैंने तुम्हें सुनाया था - जब तक कि तुम व्यर्थ विश्वास नहीं करते . क्योंकि जो कुछ मुझे मिला वह भी मैंने तुम्हें दिया, कि मसीह हमारे पापों के लिये पवित्र शास्त्र के अनुसार मरा, कि वह गाड़ा गया, कि वह पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जिलाया गया, 1 कुरिं 15:14 ईएसवी

एक बार किसी के पास:

ए। सुसमाचार संदेश सुना कि यीशु

1. वह परमेश्वर था जो देह में पृथ्वी पर आया था

child of God.

In Galatians 5:19-21 Paul identifies some things not to do or become "The acts of the sinful nature are obvious: sexual immorality, impurity and debauchery; idolatry and witchcraft; hatred, discord, jealousy, fits of rage, selfish ambition, dissensions, factions and envy; drunkenness, orgies, and the like. I warn you, as I did before, that those who live like this will not inherit the kingdom of God."

Rest assured the Devil will use everything at his disposal to get you to return to your former way of life. Peter wrote "If they have escaped the corruption of the world by knowing our Lord and Savior Jesus Christ and are again entangled in it and overcome, they are worse off at the end than they were at the beginning. It would have been better for them not to have known the way of righteousness, than to have known it and then to turn their backs on the sacred command that was passed on to them." (2 Peter 2:20-21)

The apostle John also provided some insight when he wrote, "Anyone who claims to be in the light but hates his brother is still in the darkness." (1 John 2:9)

"Do not love the world or anything in the world. If anyone loves the world, the love of the Father is not in him. For everything in the world - the cravings of sinful man, the lust of his eyes and the boasting of what he has and does - comes not from the Father but from the world. The world and its desires pass away, but the man who does the will of God lives forever." (1 John 2:15-17)

"Anyone who hates his brother is a murderer, and you know that no murderer has eternal life in him." (1 John 3:15)

"But the cowardly, the unbelieving, the vile, the murderers, the sexually immoral, those who practice magic arts, the idolaters and all

2. हमारे पापों के लिए क्रूस पर चढ़ाया गया - प्रायश्चित्त बलिदान
3. तीसरे दिन फिर से उठकर दफनाया गया था
4. कई लोगों ने देखा जो उसे सबसे अच्छी तरह जानते थे

B. उस संदेश का उत्तर निम्न द्वारा देता है:

1. विश्वास है कि वह परमेश्वर का पुत्र है
2. सभी अधर्म का पश्चात्ताप
3. अपने जीवन के तरीके को ईश्वरीयता में बदलना
4. पाप के लिए मरना, पापी शरीर को बपतिस्मा की कब्र में छोड़ना

C. एक बार जब कोई सुसमाचार सुनता है और उस पर प्रतिक्रिया करता है, तो वे एक नई सृष्टि के रूप में, परमेश्वर की शक्ति से, बपतिस्मा के पानी से पुनर्जीवित हो जाते हैं। वे भगवान की संतान बन जाते हैं।

गलातियों 5:19-21 में पॉल कुछ चीजों को न करने या बनने की पहचान करता है "पापी प्रकृति के कार्य स्पष्ट हैं: यौन अनैतिकता, अशुद्धता और व्यभिचार; मूर्तिपूजा और जादू टोना; घृणा, कलह, ईर्ष्या, क्रोध के दौरे, स्वार्थी महत्वाकांक्षा, फूट, फूट, और डाह, मतवालेपन, तांडव, और इसी प्रकार की अन्य बातें। जैसा मैं ने पहिले किया, वैसा ही मैं तुम्हें चितौनी देता हूँ, कि जो लोग इस प्रकार से जीते हैं, वे परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।

निश्चित रहें, शैतान आपको अपनी पुरानी जीवनशैली में वापस लाने के लिए हर चीज का उपयोग करेगा। पतरस ने लिखा, "यदि वे हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह को जानकर संसार की भ्रष्टता से बच गए हैं, और फिर उसी में फँसकर जय प्राप्त करते हैं, तो अन्त में उनकी दशा आरम्भ से भी बुरी हो जाती है। यह उनके लिए अच्छा होता। न धार्मिकता का मार्ग न जान लिया, और न जान लिया हो, और उस पवित्र आज्ञा से जो उन्हें दी गई थी, उससे मुंह फेर लिया हो।" (2 पतरस 2:20-21)

प्रेरित यूहन्ना ने कुछ अंतर्दृष्टि भी प्रदान की जब उसने लिखा, "जो कोई दावा करता है कि वह ज्योति में है, परन्तु अपने भाई से बैर रखता है, वह अब भी अन्धकार में है।" (1 यूहन्ना 2:9)

"संसार से या संसार की किसी भी वस्तु से प्रेम न करो। यदि कोई संसार

liars-their place will be in the fiery lake of burning sulfur. This is the second death." (Revelation 21:8)

"Outside are the dogs, those who practice magic arts, the sexually immoral, the murderers, the idolaters and everyone who loves and practices falsehood." (Revelation 22:15)

When a Christian returns and remains in their former way of life, they are not better off, but worse. "They promise them freedom, while they themselves are slaves of depravity-for a man is a slave to whatever has mastered him. If they have escaped the corruption of the world by knowing our Lord and Savior Jesus Christ and are again entangled in it and overcome, they are worse off at the end than they were at the beginning. It would have been better for them not to have known the way of righteousness, than to have known it and then to turn their backs on the sacred command that was passed on to them. Of them the proverbs are true: 'A dog returns to its vomit,' and, 'A sow that is washed goes back to her wallowing in the mud'." (2 Peter 2:19-22)

The Hebrew writer makes it clear that God has no pleasure in those who turn back. "So do not throw away your confidence; it will be richly rewarded. You need to persevere so that when you have done the will of God, you will receive what he has promised. For in just a very little while, 'He who is coming will come and will not delay. But my righteous one will live by faith. And if he shrinks back, I will not be pleased with him.' But we are not of those who shrink back and are destroyed, but of those who believe and are saved." (Hebrews 10:35-39)

It is not enough to just begin in the way of righteousness. One can turn back from a life in Christ to their former way, a life of sin. Look at the message given to seven Asian churches most of which were established a

से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं है। संसार की प्रत्येक वस्तु के लिए - पापी मनुष्य की लालसा, उसकी आंखों की लालसा और किस बात का घमण्ड है? वह है और करता है - पिता की ओर से नहीं, वरन् संसार से आता है। जगत और उसकी अभिलाषाएं मिट जाती हैं, परन्तु जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा जीवित रहता है।" (1 यूहन्ना 2:15-17)

"जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह हत्यारा है, और तुम जानते हो, कि किसी हत्यारे में अनन्त जीवन नहीं मिलता।" (1 यूहन्ना 3:15)

"लेकिन कायर, अविश्वासी, नीच, हत्यारे, यौन अनैतिक, जादू की कला का अभ्यास करने वाले, मूर्तिपूजक और सभी झूठे-उनका स्थान जलती हुई गंधक की ज्वलंत झील में होगा। यह दूसरी मृत्यु है।" (प्रकाशितवाक्य 21:8)

"बाहर कुत्ते हैं, जो जादू की कला का अभ्यास करते हैं, यौन अनैतिक, हत्यारे, मूर्तिपूजक और हर कोई जो झूठ से प्यार करता है और अभ्यास करता है।" (प्रकाशितवाक्य 22:15)

जब एक ईसाई वापस लौटता है और अपने पुराने जीवन में रहता है, तो उनकी स्थिति बेहतर नहीं होती, बल्कि बदतर होती है। "वे उन से स्वतन्त्रता की प्रतिज्ञा करते हैं, जब कि वे स्वयं भ्रष्टता के दास हैं- क्योंकि मनुष्य उस सबका दास है जिस ने उस पर अधिकार किया है। यदि वे हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह को जानकर संसार की भ्रष्टता से बच गए हैं और फिर उसी में फंस गए हैं और पर विजय प्राप्त करने के बाद, वे पहले की तुलना में अंत में बदतर हो गए हैं। उनके लिए यह बेहतर होगा कि वे धार्मिकता के मार्ग को न जानें, और इसे जान लें और फिर पवित्र आदेश से मुंह मोड़ लें जो पारित किया गया था। उनमें से कहावतें सच हैं: 'कुत्ता अपनी उल्टी पर लौटता है,' और, 'धोया हुआ बोया कीचड़ में भीग जाता है'। (2 पतरस 2:19-22)

इब्रानी लेखक यह स्पष्ट करता है कि परमेश्वर उन लोगों से प्रसन्न नहीं है जो पीछे हट जाते हैं। "इसलिये अपना हियाव मत छोड़ो, इसका बड़ा प्रतिफल मिलेगा। तुम्हें दृढ़ रहने की ज़रूरत है ताकि जब तुम परमेश्वर की इच्छा पूरी करोगे, तो तुम वह प्राप्त करोगे जो उसने वादा किया है। बस कुछ ही समय में, 'वह जो है आएगा, और देर न करेगा, परन्तु मेरा धर्मो विश्वास से जीवित रहेगा, और यदि वह पीछे हट जाए, तो मैं उस

few years earlier by Paul:

Ephesus "...Yet I hold this against you: You have forsaken your first love. Remember the height from which you have fallen! Repent and do the things you did at first. If you do not repent, I will come to you and remove your lamp stand from its place." (Revelation 2:4-5)

Smyrna "... Do not be afraid of what you are about to suffer. I tell you; the devil will put some of you in prison to test you, and you will suffer persecution for ten days. Be faithful, even to the point of death, and I will give you the crown of life." (Revelation 2:10)

Pergamum "... I know where you live-where Satan has his throne. Yet you remain true to my name. You did not renounce your faith in me, ... Nevertheless, I have a few things against you: ... Repent therefore! Otherwise, I will soon come to you and will fight against them with the sword of my mouth." (Revelation 2:13, 14, 16)

Thyatira "... Nevertheless, I have this against you: You tolerate that woman Jezebel, who calls herself a prophetess. By her teaching she misleads my servants into sexual immorality and the eating of food sacrificed to idols." (Revelation 2:20)

Sardis "... These are the words of him who holds the seven spirits of God and the seven stars. I know your deeds; you have a reputation of being alive, but you are dead. Wake up! Strengthen what remains and is about to die, for I have not found your deeds complete in the sight of my God." (Revelation 3:1-2)

Philadelphia "... Since you have kept my command to endure patiently, I will also keep you from the hour of trial that is going to come upon the whole world to test those who live on the earth." (Revelation 3: 10)

Laodicea "... I know your deeds, that you are

से प्रसन्न न रहूंगा।' लेकिन हम उन लोगों में से नहीं हैं जो पीछे हट जाते हैं और नष्ट हो जाते हैं, बल्कि उनमें से हैं जो विश्वास करते हैं और बचाए जाते हैं।" (इब्रानियों 10:35-39)

केवल धार्मिकता के मार्ग से शुरुआत करना ही काफी नहीं है। कोई व्यक्ति मसीह के जीवन से अपने पूर्व मार्ग, पाप के जीवन की ओर मुड़ सकता है। सात एशियाई चर्चों को दिए गए संदेश को देखें, जिनमें से अधिकांश कुछ साल पहले पॉल द्वारा स्थापित किए गए थे:

इफिसस"... फिर भी मैं इसे आपके खिलाफ रखता हूँ: आपने अपना पहला प्यार छोड़ दिया है। जिस ऊंचाई से तुम गिरे हो उसे याद करो! पश्चाताप करें और वही करें जो आपने पहले किया था। यदि तू न पछताएगा, तो मैं तेरे पास आऊंगा, और तेरे दीवट को उसके स्थान से हटा दूंगा।" (प्रकाशितवाक्य 2:4-5)

स्मिर्ना"... आप जो भुगतने वाले हैं उससे डरो मत। मैं तुम्हें बताता हूँ; शैतान तुम में से कितनों को तुम्हारी परीक्षा लेने को बन्दीगृह में डालेगा, और तुम दस दिन तक सताहट सहोगे। यहाँ तक कि मृत्यु तक विश्वासयोग्य रहो, और मैं तुम्हें जीवन का मुकुट दूंगा।" (प्रकाशितवाक्य 2:10)

Pergamum"... मैं जानता हूँ कि तुम कहां रहते हो-जहां शैतान का सिंहासन है। फिर भी तुम मेरे नाम के प्रति सच्चे हो। तुम ने मुझ पर अपना विश्वास नहीं छोड़ा, ... फिर भी, मेरे पास तुम्हारे खिलाफ कुछ चीजें हैं: ... इसलिए पश्चाताप करें! नहीं तो मैं शीघ्र ही तेरे पास आऊंगा, और आपके मुंह की तलवार से उन से लड़ूंगा।" (प्रकाशितवाक्य 2:13, 14, 16)

थुआतीरा"... तौभी, मेरे पास तुम्हारे विरुद्ध यह है: तुम उस स्त्री ईजेबेल को सहन करते हो, जो अपने आप को भविष्यद्वक्ता कहती है। अपनी शिक्षा के द्वारा वह मेरे दासों को व्यभिचार और मूर्तों के बलि किए हुए खाने के लिये बहकाती है।" (प्रकाशितवाक्य 2:20)

सरदीस"... उसके वचन ये हैं, जो परमेश्वर की सात आत्माओं और सात तारों को धारण करता है। मैं तेरे कामों को जानता हूँ; आपके पास जीवित होने की प्रतिष्ठा है, लेकिन आप मर चुके हैं। उठो! जो बचा है और जो मरने पर है उसे दृढ़ कर, क्योंकि मैं ने आपके परमेश्वर के साम्हने तेरे

neither cold nor hot. I wish you were either one or the other! So, because you are lukewarm- neither hot nor cold- I am about to spit you out of my mouth." (Revelation 3: 15-16)

Paul's advice is very timely: "So, if you think you are standing firm, be careful that you don't fall"! (1 Corinthians 10:12)

Questions

1. Peter tells us a Christian can become worse off than before one knew the way of righteousness.

True _____ False _____

2. Paul warned the Galatian Christians that if they returned to the works of the flesh they would not inherit the Kingdom of Heaven.

True _____ False _____

3. John explains that a Christian can still be in darkness.

True _____ False _____

4. To whom is the wrath of God revealed?

A ___ Ungodly men

B ___ Wicked men

C ___ Men who suppress the truth

D ___ God is a God of love not a God of wrath

E ___ A, B & C

5. The world and the lust for it will pass away but the will of God lives forever.

True _____ False _____

Worship

Lesson 9

What Is Worship?

Misers appear to worship money and material things. But is this really worship? No, worship is expressed through trust, obedience and love in expressions and actions of honor and praise. It is not some repetitive practice, ritual.

- The patriarchs worshiped God by

कामोंको पूरा नहीं पाया।" (प्रकाशितवाक्य 3:1-2)

फ़िलाडेल्फ़िया"... क्योंकि तू ने सब्र से धीरज धरने की मेरी आज्ञा को माना है, तौभी मैं तुझे उस परीक्षा की घड़ी से बचा रखूंगा, जो पृथ्वी पर के रहनेवालोंकी परीक्षा लेने के लिथे सारे जगत पर आने वाली है।"

(प्रकाशितवाक्य 3:10)

लौदीकिया"... मैं तुम्हारे कामों को जानता हूँ, कि तुम न तो ठंडे हो और न ही गर्म। काश आप या तो एक या अन्य होते! इसलिए, क्योंकि तुम गुनगुने हो, न गर्म और न ही ठंडे, इसलिए मैं तुम्हें अपने मुंह से उगलने पर हूँ।" (प्रकाशितवाक्य 3:15-16)

पौलुस की सलाह बहुत सामयिक है: "इसलिये यदि तुम सोचते हो, कि तुम दृढ़ हो, तो चौकस रहना, कि कहीं गिर न पड़ो"! (1 कुरिन्थियों 10:12)

प्रश्न

1. पतरस हमें बताता है कि एक ईसाई धार्मिकता के मार्ग को जानने से पहले से भी बदतर हो सकता है।

सही गलत _____

2. पॉल ने गलाटियन ईसाइयों को चेतावनी दी थी कि यदि वे शरीर के कार्यों में लौट आए तो वे स्वर्ग के राज्य के वारिस नहीं होंगे।

सही गलत _____

3. यूहन्ना समझाता है कि एक मसीही विश्वासी अभी भी अन्धकार में हो सकता है।

सही गलत _____

4. परमेश्वर का क्रोध किस पर प्रगट हुआ है?

एक ___ अधर्मी पुरुष

बी ___ दुष्ट पुरुष

ग ___ सत्य को दबाने वाले पुरुष

डी ___ भगवान प्रेम के देवता हैं क्रोध के देवता नहीं

ई ___ ए, बी और सी

5. संसार और उसकी अभिलाषा मिट जाएगी, परन्तु परमेश्वर की इच्छा सदा जीवित रहेगी।

offering animal sacrifices.

- The Children of Israel worshipped by sacrificing animal without blemishes and offerings of finest grains and oil.
- God so loved the world **He gave** His only Son.
- Christ so loved that **He offered** to God His body as the only sacrifice to atone, remove or cleanse man of his sins.
- God accepted Christ's offering thus giving man the opportunity for forgiveness and reconciliation.
- This gift of forgiveness is available to all who accept by putting their trust and obedience in Him.
- Christians are to offer their bodies as "living sacrifices" after having died to sin being immersed [buried] into Christ's death. Their sacrifice must be from their inner being out of love and with thanksgiving for the removal of sin and hope of eternal life, if they remain in Christ. "And you, being in time past alienated and enemies in your mind in your evil works, yet now hath he reconciled in the body of his flesh through death, to present you holy and without blemish and unrepentable before him: if so, be that ye continue in the faith, grounded and stedfast, and not moved away from the hope of the gospel" (Col 1:22-23 - ASV).

Real or genuine worship to God originates from love, the giving of one's self over to serving, praising and daily Godly living. Paul stated it this way "offer your bodies as living sacrifices, dedicated to God and pleasing to him. This kind of worship is appropriate" (Romans 12:1 GWT).

Worship is a participatory activity, not a spectator event. It is action from within one's inner being whether alone or in a group. There are benefits derived when worshipping with others; e.g., one recognizes he is not alone in his devotion to God and others encourage faithfulness.

सही गलत _____

पूजा करना

पाठ 9

क्या पूजा है?

कंजूस धन और भौतिक वस्तुओं की पूजा करते प्रतीत होते हैं। लेकिन क्या यह वास्तव में पूजा है? नहीं, श्रद्धा, आज्ञाकारिता और प्रेम के माध्यम से आदर और प्रशंसा के भावों और कार्यों में पूजा व्यक्त की जाती है। यह कोई दोहराव वाला अभ्यास, अनुष्ठान नहीं है।

- कुलपतियों ने पशु बलि चढ़ाकर भगवान की पूजा की।
- इस्राएल की सन्तान दोषरहित पशुओं की बलि देकर और उत्तम अनाज और तेल की भेंट चढ़ाकर पूजा करते थे।
- भगवान ने दुनिया से इतना प्यार किया कि उन्होंने अपना इकलौता बेटा दे दिया।
- मसीह इतना प्यार करता था कि उसने परमेश्वर को अपने शरीर को उसके पापों के प्रायश्चित्त, हटाने या शुद्ध करने के लिए एकमात्र बलिदान के रूप में अर्पित किया।
- परमेश्वर ने मसीह की भेंट को स्वीकार किया और इस प्रकार मनुष्य को क्षमा और मेल-मिलाप का अवसर दिया।
- क्षमा का यह उपहार उन सभी के लिए उपलब्ध है जो उस पर अपना भरोसा और आज्ञाकारिता रखकर स्वीकार करते हैं।
- मसीहियों को अपने शरीर को "जीवित बलिदान" के रूप में अर्पित करना है, पाप के लिए मरने के बाद मसीह की मृत्यु में [दफन] किए जाने के बाद। यदि वे मसीह में बने रहें, तो उनका बलिदान प्रेम के कारण, और पाप को दूर करने और अनन्त जीवन की आशा के लिए धन्यवाद के साथ उनके भीतर की ओर से होना चाहिए। "और तुम, अतीत में अपने बुरे कामों में अलग-थलग और तुम्हारे मन के शत्रु थे, तौभी अब उसने मृत्यु के द्वारा अपने शरीर में मेल कर लिया है, ताकि तुम्हें पवित्र और निर्दोष और उसके सामने निर्दोष पेश किया जाए: यदि ऐसा हो तो तुम विश्वास में दृढ़ रहो, और दृढ़ रहो, और सुसमाचार की आशा से दूर न हटो" (कर्नल 1:22-23 - एएसवी)।

ईश्वर की वास्तविक या वास्तविक पूजा प्रेम से उत्पन्न होती है, स्वयं को सेवा, स्तुति और दैनिक ईश्वरीय जीवन के प्रति समर्पण। पॉल ने इसे इस तरह से कहा है "अपने शरीर को जीवित बलिदान के रूप में

“Worship is “the direct acknowledgement of God, of His nature, attributes, ways and claims, whether by the outgoing of the heart in praise and thanksgiving or by deeds done in such acknowledgement.” (Vine, IV 236 – Instrumental Music and New Testament Worship, J. D. Bales 1973 p175)

Who Is To Be Worshipped?

Paul stated to those in Christ “I urge you, brothers, in view of God's mercy, to offer your bodies as living sacrifices, holy and pleasing to God-this is your spiritual act of worship” (Romans 12:1a). Obviously by becoming a living sacrifice, the object of such devotion is very important.

When there is an attitude of love, peace and gratitude within one's inner being, there comes forth a desire to express it in various ways, words, thoughts and actions. These expressions when directed toward God will take various forms such as doing good as opportunity arises, singing praises, praying with thanksgiving, giving because of the joy of helping others, studying scripture to obtain a better understanding of what God desires and is pleasing to Him, remembering the atoning sacrifice made by Jesus and daily living to mirror or reflect God's image in offering "your bodies as living sacrifices, dedicated to God and pleasing to him. This kind of worship is appropriate" (Romans 12:1).

God is spirit and his worshipers must worship in spirit [not physical] and in truth [genuine not ritual]. "John 4:24 declares that 'God is a Spirit.' These words contain one of the most-simple, yet most profound truths which ever fell upon mortal ear. Their truth is one of the great glories of revelation, and corrects the mistaken conclusion of human reason. They show that:

1. God is absolutely free from all limitations of space and time, and is therefore not localized in temples (Acts 7:48).

अर्पित करें, भगवान को समर्पित और उसे प्रसन्न करें। इस तरह की पूजा उचित है" (रोमियों 12:1 जीडब्ल्यूटी)।

पूजा एक सहभागी गतिविधि है, न कि एक दर्शक घटना। यह किसी की आंतरिक सत्ता के भीतर की क्रिया है चाहे वह अकेले हो या समूह में। दूसरों के साथ पूजा करने से लाभ होता है; उदाहरण के लिए, कोई मानता है कि वह भगवान के प्रति अपनी भक्ति में अकेला नहीं है और अन्य लोग विश्वासयोग्यता को प्रोत्साहित करते हैं।

"पूजा "भगवान की उनकी प्रकृति, गुणों, तरीकों और दावों की प्रत्यक्ष स्वीकृति है, चाहे प्रशंसा और धन्यवाद में दिल से बाहर निकलने से या इस तरह की स्वीकृति में किए गए कार्यों से।" (वाइन, चतुर्थ 236 - वाद्य संगीत और नए नियम की पूजा, जेडी बेलस 1973 p175)

कौन पूजा करनी है?

पौलुस ने मसीह में उन लोगों से कहा, "हे भाइयो, मैं तुम से परमेश्वर की दया के कारण बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र और परमेश्वर को भाने वाले बलिदान करके चढ़ाओ - यह तुम्हारी आत्मिक उपासना है" (रोमियों 12:1क)। जाहिर है कि एक जीवित बलिदान बनकर ऐसी भक्ति का उद्देश्य बहुत महत्वपूर्ण है।

जब किसी के भीतर प्रेम, शांति और कृतज्ञता की भावना होती है, तो उसे विभिन्न तरीकों, शब्दों, विचारों और कार्यों में व्यक्त करने की इच्छा पैदा होती है। जब ये भाव परमेश्वर की ओर निर्देशित होते हैं, तो वे विभिन्न रूप लेते हैं जैसे अवसर मिलने पर अच्छा करना, स्तुति गाना, धन्यवाद के साथ प्रार्थना करना, दूसरों की मदद करने के आनंद के कारण देना, शास्त्र का अध्ययन करना, यह समझने के लिए कि परमेश्वर क्या चाहता है और उसे प्रसन्न करता है।, यीशु के द्वारा किए गए प्रायश्चित्त बलिदान को याद करते हुए और दैनिक जीवन को दर्पण में या परमेश्वर की छवि को प्रतिबिंबित करने के लिए "अपने शरीर को जीवित बलिदानों के रूप में, परमेश्वर को समर्पित और उसे प्रसन्न करने के लिए। इस प्रकार की पूजा उचित है" (रोमियों 12:1)।

ईश्वर आत्मा है और उसके उपासकों को आत्मा [भौतिक नहीं] और सच्चाई में [वास्तविक अनुष्ठान नहीं] पूजा करनी चाहिए।"यूहन्ना 4:24 घोषणा करता है कि 'परमेश्वर आत्मा है।' इन शब्दों में सबसे सरल, फिर भी सबसे गहरा सत्य है जो कभी नश्वर कानों पर पड़ा।

2. God is not material, as idolaters contend.
3. He is not an abstract force, as [some (rd) scientists think, but a Being.
4. He is lifted above all need of temples, sacrifices, etc., which are a benefit to man, but not to God (Acts 17:25).

[p. 149, The fourfold Gospel, J.W. McGarvey and Philip Pendleton]

When Should One Worship?

By being a living sacrifice, one will in everything give thanks, glory and praise to God while looking for ways to:

- a. Assist other children of God and others in need.
- b. Encourage others to live sacrificial lives.
- c. Spread the message - forgiveness and salvation is in Christ.
- d. Proclaim and defend the life, death, burial, resurrection, ascension and return of Jesus, our Redeemer.

Christians will not abandon being with, edifying or fellowshiping others in Christ, regardless of when or where they assemble. They will be faithful to their Savior, to His Message, to His people and not be ashamed of their chosen way of life.

Therefore, worshipping God by serving, teaching, singing, admonishing and meeting together is not limited to any specific day or place.

Where Is One To Worship?

Jesus told the Samaritan woman "Believe me, woman, a time is coming when you will worship the Father neither on this mountain [Mt. Gerizim] nor in Jerusalem" (John 4:21). So, going to some specific building or location to worship is not what God desires. One worships from within rather than some physical location. Assembling with others of common faith edifies by increasing the emotions of one's inner being.

How Is One To Worship?

उनका सत्य रहस्योद्घाटन की महान महिमाओं में से एक है, और मानवीय तर्क के गलत निष्कर्ष को ठीक करता है। वे दिखाते हैं कि:

3. ईश्वर स्थान और समय की सभी सीमाओं से बिल्कुल मुक्त है, और

इसलिए मंदिरों में स्थानीयकृत नहीं है (प्रेरितों के काम 7:48)।

4. भगवान भौतिक नहीं है, जैसा कि मूर्तिपूजक कहते हैं। 3. वह एक अमूर्त शक्ति नहीं है, जैसा कि [कुछ (rd) वैज्ञानिक सोचते हैं, लेकिन एक होने के नाते। 4. उसे मंदिरों, बलिदानों आदि की सभी ज़रूरतों से ऊपर उठाया गया है, जो मनुष्य के लिए एक लाभ हैं, लेकिन भगवान के लिए नहीं (प्रेरितों के काम 17:25)।

[पी। 149, द फोरफोल्ड गॉस्पेल, जेडब्ल्यू मैकगार्वे और फिलिप पेंडलटन]

कब पूजा करनी चाहिए?

एक जीवित बलिदान होने के नाते, हर चीज में एक व्यक्ति ईश्वर को धन्यवाद, महिमा और प्रशंसा देता है, जबकि वह तरीके खोजता है:

- e. भगवान के अन्य बच्चों और ज़रूरतमंदों की सहायता करें।
- f. दूसरों को बलिदानी जीवन जीने के लिए प्रेरित करें।
- g. संदेश फैलाओ - क्षमा और मुक्ति मसीह में है।
- h. हमारे उद्धारक यीशु के जीवन, मृत्यु, दफनाने, पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण और वापसी की घोषणा और बचाव करें।

ईसाई, मसीह में दूसरों के साथ रहना, उन्हें सम्पादित करना या संगति करना नहीं छोड़ेंगे, भले ही वे कब या कहाँ इकट्ठे हों। वे अपने उद्धारकर्ता के प्रति, उसके संदेश के प्रति, उसके लोगों के प्रति वफादार रहेंगे और अपने चुने हुए जीवन के तरीके से शर्मिंदा नहीं होंगे।

इसलिए सेवा, उपदेश, गायन, उपदेश और मिलन कर ईश्वर की आराधना करना किसी विशेष दिन या स्थान तक सीमित नहीं है।

कहाँ पूजा करने के लिए एक है?

यीशु ने सामरी स्त्री से कहा, "मेरा विश्वास करो, स्त्री, एक समय आ रहा है जब तुम पिता की पूजा न तो इस पर्वत [माउंट गेरिज़िम] पर करोगे और न ही यरूशलेम में" (यूहन्ना 4:21)। इसलिए, किसी विशिष्ट भवन या स्थान पर जा रहे हैं पूजा करना वह नहीं है जो ईश्वर चाहता है। कोई किसी भौतिक स्थान के बजाय भीतर से पूजा करता है। आम विश्वास

Understanding the **what, who, when** and **where** of worship should help in understanding the **how** of worshipping. The giving ourselves as a living sacrifice is a lifestyle of service motivated out of a desire to be more like Christ while giving Him glory, honor, praise and adoration.

Man is to worship in his spiritual inner being, his seat of emotion, and in genuineness not some routine done without feeling. Consequently, one incapable of performing a physical act can still worship and serve God.

Therefore, if one's thoughts and emotions are based upon a knowledge of God and he has an intimate relationship with Him, he has trained his whole being to love, adore and praise God with genuineness of heart and desire to please him. He is now prepared to be a living sacrifice serving God in spirit and truth.

Vain Worship

Since good works that benefit man while glorifying God and inner being, spiritual activity, in the form of songs, prayers expressions of adoration, praise is real and genuine worship, then any worship activity **not** from one's heart is unacceptable worship for instance:

- Prayers offered to satisfy personal desires
- Money given for personal recognition
- Songs of praise to God sung to the listener with no thought of God.
- Lessons taught for praise of man.
- Lord's Supper may be partaken of without considering Christ's atoning sacrifice and without any thanksgiving for the forgiveness, redemption and reconciliation resulting thereof.
- Good works done for self-satisfaction

If the Kingdom of God is truly within you, then your character will be one of love, joy, peace, patience, kindness,

के दूसरों के साथ इकट्ठा होना किसी के आंतरिक होने की भावनाओं को बढ़ाकर विकसित करता है।

कैसे पूजा करने के लिए एक है?

क्या, किसको, कब और कहाँ पूजा करनी चाहिए, यह समझने से उपासना के तरीके को समझने में मदद मिलेगी। खुद को एक जीवित बलिदान के रूप में देना सेवा की जीवन शैली है जो मसीह की तरह बनने की इच्छा से प्रेरित है, जबकि उसे महिमा, सम्मान, प्रशंसा और आराधना देता है।

मनुष्य को अपने आध्यात्मिक अंतरात्मा में, भावना के अपने आसन में पूजा करनी है, और वास्तव में कोई ऐसा दिनचर्या नहीं है जिसे बिना भावना के किया जाता है। नतीजतन, एक शारीरिक कार्य करने में असमर्थ अभी भी भगवान की पूजा और सेवा कर सकता है।

इसलिए, यदि किसी के विचार और भावनाएँ ईश्वर के ज्ञान पर आधारित हैं और उसके साथ उसका घनिष्ठ संबंध है, तो उसने अपने पूरे अस्तित्व को हृदय की सच्चाई और उसे प्रसन्न करने की इच्छा के साथ ईश्वर से प्रेम, आराधना और स्तुति करने के लिए प्रशिक्षित किया है। वह अब आत्मा और सच्चाई से परमेश्वर की सेवा करते हुए एक जीवित बलिदान बनने के लिए तैयार है।

व्यर्थ पूजा

चूँकि ईश्वर और आंतरिक सत्ता, आध्यात्मिक, गतिविधि, गीतों प्रार्थनाओं, आराधना की अभिव्यक्तियों, स्तुति के रूप में मनुष्य को लाभ पहुँचाने वाले अच्छे कार्य वास्तविक और वास्तविक पूजा है, इसलिए कोई भी पूजा गतिविधि जो किसी के दिल से नहीं है, उदाहरण के लिए अस्वीकार्य पूजा है। :

- व्यक्तिगत इच्छाओं को पूरा करने के लिए की जाने वाली प्रार्थना
- व्यक्तिगत पहचान के लिए दिया गया पैसा
- ईश्वर की स्तुति के गीत श्रोता को बिना ईश्वर के विचार के गाए जाते हैं।
- मनुष्य की प्रशंसा के लिए पाठ पढ़ाया जाता है।
- प्रभु भोज को मसीह के प्रायश्चित्त बलिदान पर विचार किए बिना और उसके परिणामस्वरूप क्षमा, छुटकारे और मेल-मिलाप के लिए किसी धन्यवाद के बिना भाग लिया जा सकता है।

faithfulness, goodness and self-control and your actions will reflect this character.

Questions

- Who is to be worshipped?
 - ___ Ali
 - ___ Buddha
 - ___ Jehovah God
 - ___ Hindu shrine
- How often should one worship?
 - ___ Every Sunday
 - ___ Three times a week
 - ___ Daily living sacrifices
- One must go to a church building or temple to worship?
True ___ False ___
- Worship is
 - ___ Bowing down to an idol or shrine?
 - ___ Rituals performed by a priest?
 - ___ Inner being adoration and honor toward God?
- Worship activity cannot be in vain as any type of worship is acceptable to God.
True ___ False ___

Choosing Everlasting Life or Eternal Death

Lesson 10

God told Abraham "By myself I have sworn, declares the LORD, because you have done this and have not withheld your son, your only son, I will surely bless you, and I will surely multiply your offspring as the stars of heaven and as the sand that is on the seashore. And your offspring shall possess the gate of his enemies, and in your offspring shall all the nations of the earth be blessed, because you have obeyed my voice" (Genesis 22 16-18).

Years later God said of one of Abraham's

- आत्म-संतुष्टि के लिए किए गए अच्छे कार्य

यदि ईश्वर का राज्य वास्तव में आपके भीतर है, तो आपका चरित्र प्रेम, आनंद, शांति, धैर्य, दया, विश्वास, अच्छाई और आत्म-संयम का होगा और आपके कार्यों में यह चरित्र दिखाई देगा।

प्रश्न

- किसकी पूजा करनी है?
 - ___ अली
 - ___ बुद्ध
 - ___ यहोवा भगवान
 - ___ हिंदू तीर्थ
- कितनी बार पूजा करनी चाहिए?
 - ___ हर रविवार
 - ___ हफ्ते में तीन बार
 - ___ दैनिक जीवन बलिदान
- पूजा करने के लिए चर्च की इमारत या मंदिर जाना चाहिए?
सही गलत ___
- पूजा है
 - ___ किसी मूर्ति या मंदिर को नमन?
 - ___ एक पुजारी द्वारा किए गए अनुष्ठान?
 - ___ आंतरिक आराधना और ईश्वर के प्रति सम्मान?
- पूजा गतिविधि व्यर्थ नहीं हो सकती क्योंकि किसी भी प्रकार की पूजा भगवान को स्वीकार्य है।
सही गलत ___

अनन्त जीवन या अनन्त मृत्यु को चुनना

पाठ 10

परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा, "यहोवा की यह वाणी है, मैंने अपकी ही शपथ खाई है, क्योंकि तूने यह किया है, और अपके एकलौते पुत्र अपके पुत्र को न रखा है, मैं निश्चय तुझे आशीष दूंगा; समुद्र के किनारे की बालू, और तेरा वंश उसके शत्रुओं का फाटक का अधिकारी होगा, और

descendants "I have found that David, the son of Jesse, is a man after my own heart, who will carry out all my wishes.' It was from this man's descendants that God, as he promised, brought to Israel a Savior, who is Jesus" (Act 13:22-3).

One will find many prophets in the Old Testament foretold that through Abraham and the Children of Israel a savior would come. He would be a redeemer to restore mankind back into fellowship with man's creator.

"So with us; when we were children, we were slaves to the elemental spirits of the universe. But when the time had fully come, God sent forth his Son, born of woman, born under the law, to redeem those who were under the law, so that we might receive adoption as sons. And because you are sons, God has sent the Spirit of his Son into our hearts" (Galatians 4:3-5 - RSV). All prophecies were fulfilled in Jesus. According to Matthew Jesus stated "Do not think that I have come to abolish the Law or the Prophets; I have not come to abolish them but to fulfill them. For truly, I say to you, until heaven and earth pass away, not an iota, not a dot, will pass from the Law until all is accomplished" (Matthew 5:17, 18).

Then Jesus came to Nazareth, where he had been raised. As was his custom, he went into the synagogue on the Sabbath day. When he stood up to read, the scroll of the prophet Isaiah was handed to him. Unrolling the scroll, he found the place where it was written, 'The Spirit of the Lord is upon me; he has anointed me to tell the good news to the poor. He has sent me to announce release to the prisoners [those in Hades, the abode of the dead souls (rd)] and recovery of sight to the blind [those following traditions rather than "the law and prophets" (rd)], to set oppressed people free, and to announce the year of the Lord's favor.' Then he rolled up the scroll, gave it back to the attendant, and sat down. While the eyes of everyone in

पृथ्वी की सारी जातियां तरे वंश के कारण धन्य होंगी, क्योंकि तू ने मेरी बात मानी है" (उत्पत्ति 22 16-18)।

वर्षों बाद परमेश्वर ने इब्राहीम के वंशजों में से एक के बारे में कहा "मैंने पाया है कि यिशै का पुत्र दाऊद मेरे अपने मन के अनुसार एक मनुष्य है, जो मेरी सभी इच्छाओं को पूरा करेगा।' यह इस आदमी के वंश से था कि भगवान, जैसा कि उसने वादा किया था, इस्राएल के लिए एक उद्धारकर्ता लाया, जो यीशु है" (अधिनीयम 13:22-3)।

पुराने नियम में कई भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि अब्राहम और इस्राएल के बच्चों के माध्यम से एक उद्धारकर्ता आएगा। वह मानवजाति को फिर से मनुष्य के सृष्टिकर्ता के साथ संगति में बहाल करने के लिए एक मुक्तिदाता होगा।

"तो हमारे साथ; जब हम बच्चे थे, हम ब्रह्मांड की मौलिक आत्माओं के गुलाम थे। परन्तु जब समय पूरा हुआ, तब परमेश्वर ने व्यवस्था के अधीन उत्पन्न अपने पुत्र को, जो व्यवस्था के अधीन उत्पन्न हुआ था, भेजा, कि हम व्यवस्था के अधीन लोगों को छुड़ाएं, कि हम दत्तक पुत्र पाएं। और इसलिये कि तुम पुत्र हो, परमेश्वर ने अपने पुत्र का आत्मा हमारे मन में भेजा है" (गलातियों 4:3-5 - RSV)। सभी भविष्यवाणियां यीशु में पूरी हुईं। मैथ्यू के अनुसार यीशु ने कहा "यह मत सोचो कि मैं कानून या भविष्यद्वक्ताओं को खत्म करने आया हूं; मैं उन्हें खत्म करने के लिए नहीं बल्कि उन्हें पूरा करने आया हूं। वास्तव में, मैं तुमसे कहता हूं, जब तक स्वर्ग और पृथ्वी नहीं जाते, तब तक नहीं जब तक सब कुछ पूरा न हो जाए, तब तक आईओटा, एक बिंदु नहीं, व्यवस्था से निकल जाएगा" (मती 5:17, 18)।

तब यीशु नासरत में आया, जहां उसका पालन-पोषण हुआ था। अपनी रीति के अनुसार, वह सब्त के दिन आराधनालय में गया। जब वह पढ़ने को खड़ा हुआ, तो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक उसे दी गई। उस ने उस पुस्तक को खोला, और उस स्थान को पाया जहां लिखा था, कि यहोवा का आत्मा मुझ पर है; उसने गरीबों को खुशखबरी सुनाने के लिए मेरा अभिषेक किया है। उसने मुझे कैदियों को रिहा करने की घोषणा करने के लिए भेजा है [जो पाताल लोक में हैं, मृत आत्माओं का निवास (rd)] और अंधे को दृष्टि की वसूली [उन परंपराओं का पालन करने के बजाय "कानून और भविष्यवक्ताओं" (rd)], दीन लोगों को स्वतंत्र करो,

the synagogue were fixed on him, he began to say to them, 'Today this Scripture has been fulfilled, as you've heard it read aloud'" (Luke 4:16-21).

Jesus said to him, "Today salvation has come to this house, since he also is a son of Abraham. 10 For the Son of Man came to seek and to save the lost." Luke 19:9-10

Therefore, Jesus, Immanuel (God with us), not having sinned offered Himself to God as the atoning sacrifice. God accepted His offering by resurrecting Him from death and the grave. This sacrifice and resurrection became the way for forgiveness of sins.

Everyone who:

- a. puts their faith and trust in Christ
- b. dies to his sinful life
- c. calls upon God to forgive
- d. is immersed into Christ
- e. is raised by God a forgiven spiritual being.
- f. clothe themselves in the fruits of the Spirit "But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, patience, kindness, goodness, faithfulness, gentleness, and self-control (Galatians 5:22-23b).
- g. remaining faithful they will inherit the Kingdom of Heaven receiving everlasting life with God and all the redeemed (Colossians 1:23).

"Not everyone who keeps saying to me, 'Lord, Lord,' will get into the kingdom from heaven, (Matthew 7:21).

Do you not know that the unrighteous will not inherit the kingdom of God? (1 Corinthians 6:9).

Everlasting Life – Heaven

Heaven is the abode of God and all the righteous and described in human terms as magnificent and splendor.

- a. "I saw a throne in heaven with a person

और यहोवा के अनुग्रह के वर्ष की घोषणा करो।' तब उस ने पुस्तक को लुढ़काकर सेवक को लौटा दिया, और बैठ गया। जब आराधनालय में सबकी निगाहें उस पर टिकी थीं, तब वह उन से कहने लगा, कि आज पवित्र शास्त्र का यह वचन पूरा हुआ,

यीशु ने उस से कहा, आज इस घर में उद्धार आया है, क्योंकि वह भी इब्राहीम का पुत्र है। 10 क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुआओं को ढूँढने और उनका उद्धार करने आया है। लूका 19:9-10

इसलिए, यीशु, इम्मानुएल (परमेश्वर हमारे साथ) ने पाप न करते हुए स्वयं को प्रायश्चित्त बलिदान के रूप में परमेश्वर को अर्पित किया। परमेश्वर ने उसे मृत्यु और कब्र से पुनर्जीवित करके उसकी भेंट स्वीकार की। यह बलिदान और पुनरुत्थान पापों की क्षमा का मार्ग बन गया।

हर कोई जो:

- h. मसीह में अपना विश्वास और भरोसा रखता है
- i. अपने पापी जीवन के लिए मर जाता है
- j. भगवान को क्षमा करने के लिए कहता है
- k. मसीह में विसर्जित है
- l. भगवान द्वारा एक क्षमाशील आध्यात्मिक प्राणी उठाया जाता है।
- m. स्वयं को आत्मा के फलों में पहिन लें "परन्तु आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम है (गलातियों 5:22-23ख)।
- n. विश्वासयोग्य बने रहने पर वे स्वर्ग के राज्य के वारिस होंगे और परमेश्वर और सभी छुड़ाए गए लोगों के साथ अनन्त जीवन प्राप्त करेंगे (कुलुस्सियों 1:23)।

"हर कोई जो मुझ से, 'हे प्रभु, हे प्रभु' कहता रहता है, स्वर्ग से राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, (मत्ती 7:21)।

क्या तुम नहीं जानते कि अधर्मी परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे? (1 कुरिन्थियों 6:9)।

चिरस्थायी जीवन - स्वर्ग

seated on the throne. The person sitting there looked like jasper and carnelian, and there was a rainbow around the throne that looked like an emerald. Around the throne were 24 other thrones, and on these thrones sat 24 elders wearing white robes and gold victor's crowns on their heads (Revelation 4:2-4).

- b. He will wipe every tear from their eyes. There won't be death anymore. There won't be any grief, crying, or pain, because the first things have disappeared"(Revelation 21:4).
- c. A voice came from the throne, saying, "Praise our God, all who serve and fear him, from the least important to the most important." Then I heard what sounded like the voice of a large crowd, like the sound of raging waters, and like the sound of powerful thunderclaps, saying, "Hallelujah! The Lord our God, the Almighty, is reigning (Revelation 19:5-6).
- d. I saw no temple in it, because the Lord God Almighty and the lamb are its temple. The city doesn't need any sun or moon to give it light, because the glory of God gave it light, and the lamb was its lamp. The nations will walk in its light, and the kings of the earth will bring their glory into it. Its gates will never be shut at the end of the day—because there will be no night there (Revelation 21:22-25).

Those who refuse the free gift of God, the forgiveness of sins, have chosen to follow the desires of the world offered by the Devil.

स्वर्ग ईश्वर और सभी धर्मियों का निवास है और मानवीय शब्दों में इसे शानदार और वैभव के रूप में वर्णित किया गया है।

- e. "मैंने स्वर्ग में एक सिंहासन देखा, जिसके सिंहासन पर एक व्यक्ति बैठा था। वहाँ बैठा व्यक्ति जैस्पर और कारेलियन जैसा दिखता था, और सिंहासन के चारों ओर एक इंद्रधनुष था जो पन्ना जैसा दिखता था। उस सिंहासन के चारों ओर 24 अन्य सिंहासन थे, और इन सिंहासनों पर 24 प्राचीन श्वेत वस्त्र पहने बैठे थे और उनके सिर पर स्वर्ण विजेता मुकुट थे (प्रकाशितवाक्य 4:2-4)।
- f. वह उनकी आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा। अब मृत्यु नहीं होगी। न तो शोक, न रोना, न पीड़ा होगी, क्योंकि पहिली बातें मिट गई हैं" (प्रकाशितवाक्य 21:4)।
- g. सिंहासन से एक आवाज आई, और कहा, "हमारे भगवान की स्तुति करो, जो छोटे से महत्वपूर्ण से लेकर सबसे महत्वपूर्ण तक सेवा करते हैं और उससे डरते हैं।" तब मैं ने एक बड़ी भीड़ का शब्द, और जल के गरजने का शब्द, और गड़गड़ाहट का शब्द, यह कहते सुना, "हालैलूय्याह! हमारा परमेश्वर यहोवा, जो सर्वशक्तिमान है, राज्य करता है (प्रकाशितवाक्य 19:5-6))
- h. मैं ने उस में कोई मन्दिर नहीं देखा, क्योंकि सर्वशक्तिमान यहोवा परमेश्वर और उसका मेम्ना उसका मन्दिर हैं। उस नगर को उजियाला देने के लिये किसी सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि परमेश्वर के तेज ने उसे उजियाला दिया, और मेम्ना उसका दीपक था। राष्ट्र उसके प्रकाश में चलेंगे, और पृथ्वी के राजा अपनी महिमा उस में लाएंगे। दिन के अन्त में उसके फाटक कभी बन्द न किए जाएंगे—क्योंकि वहाँ रात न होगी (प्रकाशितवाक्य 21:22-25)।

जो लोग ईश्वर के मुफ्त उपहार, पापों की क्षमा को अस्वीकार करते हैं, उन्होंने शैतान द्वारा दी गई दुनिया की इच्छाओं का पालन करना चुना

They will not inherit the Kingdom of heaven. They are doomed to eternal death with the Devil in Hell with all the wicked and rebellious.

Eternal Death - Hell

Hell is the abode of the Devil, his angels and the wicked.

- a. "All the nations will be assembled in front of him, and he will cull them out, one from another, like a shepherd separates sheep from goats. He will put the sheep on his right but the goats on his left." ... "Then shall he say also unto them on the left hand, Depart from me, ye cursed, into the eternal fire which is prepared for the devil and his angels" (Matthew 25:32-33 ... 41).
- b. Hell is also referred to the lake that burns with fire and sulfur, which is the second death (Revelation 21:8b) where "The Son of Man will send his angels, and they will gather out of his kingdom all causes of sin and all law-breakers, and throw them into the fiery furnace. In that place there will be weeping and gnashing of teeth" (Matthew 13:41).
- c. For those who have chosen Eternal Death rather than Everlasting Life for all eternity Jesus said "Not everyone who keeps saying to me, 'Lord, Lord,' will get into the kingdom from heaven, but only the person who keeps doing the will of my Father in heaven. (Matthew 7:21).
- d. The Apostle Paul was very specific on the lifestyle they chose "You know that wicked people will not inherit the kingdom of God, don't you? Stop deceiving yourselves! Sexually immoral

है। वे स्वर्ग के राज्य के वारिस नहीं होंगे। वे सभी दुष्टों और विद्रोहियों के साथ नरक में शैतान के साथ अनन्त मृत्यु के लिए अभिशप्त हैं।

अनन्त मृत्यु - नर्क

नरक शैतान, उसके कोणों और दुष्टों का निवास है।

- f. "सब जातियां उसके साम्हने इकट्ठी की जाएंगी, और वह उन्हें एक दूसरे से ऐसे निकालेगा, जैसे चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है। वह भेड़ों को दाहिनी ओर रखेगा, परन्तु बकरियों को बायीं ओर।" ... "तब वह बायीं ओर उन से भी कहेगा, हे शापित, मेरे पास से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिथे तैयार की गई है" (मती 25:32-33 ... 41)।
- g. नरक को उस झील के लिए भी संदर्भित किया जाता है जो आग और गंधक से जलती है, जो दूसरी मृत्यु है (प्रकाशितवाक्य 21:8b) जहां "मनुष्य का पुत्र अपने दूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य से पाप के सभी कारणों और सभी को इकट्ठा करेंगे। कानून तोड़ने वालों, और उन्हें आग के भट्ठे में फेंक दो। उस स्थान पर रोना और दाँत पीसना होगा" (मती 13:41)।
- h. उन लोगों के लिए जिन्होंने अनंत काल के लिए अनन्त जीवन के बजाय अनन्त मृत्यु को चुना है, यीशु ने कहा, "हर कोई जो मुझसे कहता है, 'हे प्रभु, हे प्रभु,' स्वर्ग से राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, लेकिन केवल वह व्यक्ति जो मेरी इच्छा पर चलता रहता है स्वर्ग में पिता (मती 7:21)।
- i. प्रेरित पौलुस उनके द्वारा चुनी गई जीवन शैली के बारे में बहुत विशिष्ट था "तुम जानते हो कि दुष्ट लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे, है ना? अपने आप को धोखा देना बंद करो! अनैतिक काम करनेवाले, मूर्तिपूजक, परस्त्रीगामी, पुरुष वेश्याएँ, समलिंगी, चोर, लोभी, पियक्कड़, निन्दक, और लुटेरे परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे" (1 कुरिन्थियों 6:9-10)। "अब शरीर के कार्य स्पष्ट हैं: यौन अनैतिकता, अशुद्धता, संलिप्तता, मूर्तिपूजा,

people, idolaters, adulterers, male prostitutes, homosexuals, thieves, greedy people, drunks, slanderers, and robbers will not inherit the kingdom of God" (1 Corinthians 6:9-10). "Now the actions of the flesh are obvious: sexual immorality, impurity, promiscuity, idolatry, witchcraft, hatred, rivalry, jealousy, outbursts of anger, quarrels, conflicts, factions, envy, murder, drunkenness, wild partying, and things like that. I am telling you now, as I have told you in the past, that people who practice such things will not inherit the kingdom of God" (Galatians 5:19-21).

e. Lastly the Apostle John records "But people who are cowardly, unfaithful, detestable, murderers, sexually immoral, sorcerers, idolaters, and all liars will find themselves in the lake that burns with fire and sulfur. This is the second death." (Revelation 21:8).

One's daily choice of actions will determine where they will spend eternity. What decisions will you make today? Are you going to live for the After-Life with the redeemed or the After-Death with the condemned? **Decide today – Eternity is a long time to be without the love of God!!!**

1. Questions Did God send a savior to redeem man?
Yes ____ No ____
2. Who is the Savior?
 - A. God, the Father
 - B. Jesus, the Christ
 - C. Satan, the Deceiver
 - D. A man-made object
 - E. None of the above
3. Must those in Christ remain faithful

जादू टोना, घृणा, प्रतिद्वंद्विता, ईर्ष्या, क्रोध का प्रकोप, झगड़े, संघर्ष, गुट, ईर्ष्या, हत्या, नशे, जंगली पार्टी, और इस तरह की चीजें . जैसा मैं तुम से पहिले में कहता आया हूं, वैसा अब मैं तुम से कहता हूं, कि जो ऐसे काम करते हैं, वे परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे" (गलातियों 5:19-21)।

j. अन्त में प्रेरित यूहन्ना ने लिखा है, "परन्तु जो कायर, विश्वासघाती, घिनौने, हत्यारे, अनैतिक काम करनेवाले, टोना-टोटके करनेवाले, मूर्तिपूजक, और सब झूठे लोग उस झील में पाएंगे जो आग और गंधक से जलती है। यह दूसरी मृत्यु है।" (प्रकाशितवाक्य 21:8)।

कार्यों का दैनिक चयन यह निर्धारित करेगा कि वे अनंत काल कहाँ व्यतीत करेंगे। आज आप क्या निर्णय लेंगे? क्या आप छुटकारा पाने वालों के साथ बाद के जीवन के लिए जीने वाले हैं या मृत्यु के बाद की निंदा करने वालों के साथ? आज ही निर्णय लें - ईश्वर के प्रेम के बिना अनंत काल एक लंबा समय है !!!

प्रश्न

11. क्या परमेश्वर ने मनुष्य को छुड़ाने के लिए कोई उद्धारकर्ता भेजा था?
हां नहीं ____
12. उद्धारकर्ता कौन है?
 - F. भगवान, पिता
 - G. जीसस, द क्राइस्ट
 - H. शैतान, धोखेबाज
 - I. एक मानव निर्मित वस्तु
 - J. इनमे से कोई भी नहीं
13. क्या मसीह में रहनेवालों को मसीह के प्रति विश्वासयोग्य रहना चाहिए?
सही गलत ____

to Christ?

True _____ False _____

4. Those who put their trust in Christ message of Salvation and obey will inherit Everlasting Life with God and the righteous.

True _____ False _____

5. Those who reject God's free gift of Salvation will receive Eternal Death with the Devil and His angels.

True _____ False _____

4. जो लोग उद्धार और आज्ञापालन के मसीह संदेश पर भरोसा रखते हैं, वे परमेश्वर और धर्मी लोगों के साथ अनन्त जीवन के वारिस होंगे।

सही गलत _____

5. जो लोग परमेश्वर के उद्धार के मुफ्त उपहार को अस्वीकार करते हैं, उन्हें शैतान और उसके स्वर्गदूतों के साथ अनन्त मृत्यु प्राप्त होगी।

सही गलत _____

न्याय और अनंत काल

Judgment and Eternity

Lesson 11

It is difficult for our finite minds to comprehend eternity, but before the creation of the Earth God already existed and He will continue to exist after the end of time on Earth. When Christ comes again everyone will face his Creator, the Almighty God, to give an account of his actions while on Earth.

How great it will be to have Jesus, our Advocate, beside us on that day. He will speak up on behalf of His obedient, faithful disciples because: "We were therefore buried with him through baptism into death in order that, just as Christ was raised from the dead through the glory of the Father, we too may live a new life." (Romans 6:4) Then God will welcome us into His presence. We will be so overjoyed that we will sing His praises and give thanks forever. Christ died so we could live in Heaven where there will be no fear, no sorrow, no pain, no weeping and no darkness, but only love, peace, truth and righteousness, forever and ever without end.

There is another group of people. They are those who will not have that advocate on their side. What about them? They lived in rebellion satisfying their human desires refusing to obey or even acknowledge the

पाठ 11

हमारे सीमित दिमागों के लिए अनंत काल को समझना मुश्किल है, लेकिन पृथ्वी के निर्माण से पहले से ही भगवान पहले से मौजूद थे और वे पृथ्वी पर समय के अंत के बाद भी मौजूद रहेंगे। जब क्राइस्ट फिर से आएंगे तो हर कोई अपने निर्माता, सर्वशक्तिमान ईश्वर का सामना करेगा, ताकि वह पृथ्वी पर रहते हुए अपने कार्यों का लेखा-जोखा दे सके।

उस दिन हमारे पास हमारे वकील यीशु का होना कितना अच्छा होगा। वह अपने आज्ञाकारी, विश्वासयोग्य शिष्यों की ओर से बोलेगा क्योंकि: "इसलिये हम मृत्यु के बपतिस्मा के द्वारा उसके साथ गाड़े गए, कि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी एक नया जीवन जीएं जिंदगी।" (रोमियों 6:4) तब परमेश्वर अपनी उपस्थिति में हमारा स्वागत करेगा। हम इतने प्रसन्न होंगे कि हम उनकी स्तुति गाएंगे और हमेशा के लिए धन्यवाद देंगे। मसीह की मृत्यु हो गई ताकि हम स्वर्ग में रह सकें जहां कोई भय नहीं होगा, कोई दुख नहीं होगा, कोई दर्द नहीं होगा, कोई रोना नहीं होगा और कोई अंधेरा नहीं होगा, लेकिन केवल प्रेम, शांति, सच्चाई और धार्मिकता हमेशा और हमेशा के लिए होगी।

लोगों का एक और समूह है। वे वे हैं जिनके पक्ष में वह अधिवक्ता नहीं होगा। उनके बारे में क्या? वे अपनी मानवीय इच्छाओं को पूरा करने वाले विद्रोह में रहते थे और सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उपस्थिति को मानने या मानने से इनकार करते थे। "परन्तु आपके हठ और आपके मन न पछताने के कारण परमेश्वर के कोप के उस दिन के लिये जब

presence of Almighty God. "But because of your stubbornness and your unrepentant heart, you are storing up wrath against yourself for the day of God's wrath, when his righteous judgment will be revealed. God 'will give to each person according to what he has done'. To those who by persistence in doing good, seek glory, honor and immortality, he will give eternal life. But for those who are self-seeking and who reject the truth and follow evil, there will be wrath and anger. There will be trouble and distress for every human being who does evil: first for the Jew, then for the Gentile; but glory, honor and peace for everyone who does good: first for the Jew, then for the Gentile." (Romans 2:1-10)

"But now he (Jesus) has appeared once for all at the end of the ages to do away with sin by the sacrifice of himself. Just as man is destined to die once, and after that to face judgment, so Christ was sacrificed once to take away the sins of many people; and he will appear a second time, not to bear sin, but to bring salvation to those who are waiting for him." (Hebrews 9:26b-28)

What Will Happen At The End Of Time

Let the Word of God tell us in passages that deal with the Second Coming of Jesus.

1. The Lord will appear [a spectacular thing]

"For the Lord himself will come down from heaven, with a loud command, and the voice of the archangel and with the trumpet call of God..." (2 Thessalonians 4:16a). Every human being living on the face of the earth, whenever that day is, will hear that trumpet and our attention will be suddenly captured on a moment's notice.

2. The dead will be raised

"The dead in Christ will be raised first." (2 Thessalonians 4:16b) That is corroborated in 1 Corinthians 15:52 "in a flash, in the twinkling of an eye, at the last trumpet. For the trumpet will sound, the dead will be raised imperishable." When Jesus comes again, the graves are going to be emptied all

उसका धर्ममय न्याय प्रगट होगा, तू अपके विरुद्ध अपना जलजलाहट इकट्ठी कर रहा है। जो भलाई करने में लगे रहने से, महिमा, सम्मान और अमरता की तलाश में है, वह अनन्त जीवन देगा। लेकिन जो स्वार्थी हैं और जो सत्य को अस्वीकार करते हैं और बुराई का पालन करते हैं, उनके लिए क्रोध और क्रोध होगा। संकट और संकट होगा प्रत्येक मनुष्य के लिए जो बुराई करता है: पहले यहूदी के लिए, फिर अन्यजातियों के लिए; परन्तु महिमा,

"परन्तु अब वह (यीशु) युगों के अन्त में अपने ही बलिदान के द्वारा पाप को दूर करने के लिये एक ही बार प्रकट हुआ है। जिस प्रकार मनुष्य का एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियत है, उसी प्रकार मसीह एक बार बलिदान हुआ। ताकि बहुत से लोगों के पाप उठा ले, और वह दूसरी बार प्रकट होगा, कि पाप को न सहे, परन्तु जो उसकी बात जोहते हैं उनका उद्धार करने के लिये।" (इब्रानियों 9:26ख-28)

समय के अंत में क्या होगा

आइए परमेश्वर का वचन हमें उन अंशों में बताएं जो यीशु के दूसरे आगमन से संबंधित हैं।

1. प्रभु प्रकट होंगे [एक शानदार बात]

"क्योंकि प्रभु आप ही बड़े आदेश और प्रधान दूत के शब्द और परमेश्वर की तुरही के शब्द के साथ स्वर्ग से उतरेगा..." (2 थिस्सलुनीकियों 4:16क)। पृथ्वी, जब भी वह दिन होगा, वह तुरही सुनेगी और हमारा ध्यान एक पल की सूचना पर अचानक आकर्षित हो जाएगा।

2. मरे हुआं को जिलाया जाएगा

"मसीह में मरे हुआं को पहले जिलाया जाएगा।" (2 थिस्सलुनीकियों 4:16ब) यह 1 कुरिन्थियों 15:52 में पुष्टि की गई है "एक पल में, पलक झपकते ही, आखिरी तुरही पर। क्योंकि तुरही बजेगी, मुर्दे अविनाशी जी उठेंगे।" जब यीशु फिर से आएंगे, तो उन सभी कब्रों को खाली कर दिया जाएगा जिन्हें हम जानते हैं।

3. रहने वाले बदलने जा रहे हैं

"सुनो, मैं तुम्हें एक रहस्य बताता हूँ: हम सब नहीं सोएंगे (यानी मर जाएंगे), लेकिन हम सभी बदल जाएंगे - एक फ्लैश में, एक पलक झपकते, आखिरी तुरही में। तुरही बजने के लिए, मृत अविनाशी जी उठेंगे, और हम बदल जाएंगे। क्योंकि नाशवान को अविनाशी को, और

of those that we have known.

3. The living are going to be changed

"Listen, I tell you a mystery: We will not all sleep (i.e. die), but we will all be changed - in a flash, in the twinkling of an eye, at the last trumpet. For the trumpet will sound, the dead will be raised imperishable, and we will be changed. For the perishable must clothe itself with the imperishable, and the mortal with immortality." (1 Corinthians 15:51)

These first three things are all going to happen practically simultaneously:

- A trumpet will sound
- The voice of the archangel
- The dead will come out of the graves, and the living at that time will be caught in the air with them, all of humanity, from the beginning of time.

4. A Great Separation—Judgment

"When the Son of Man comes in his glory, and all the angels with him, he will sit on his throne in heavenly glory. All the nations will be gathered before him, and he will separate the people one from another as a shepherd separates the sheep from the goats. He will put the sheep [the righteous] on his right hand and the goats [the wicked] on his left." (Matthew 25:31)

5. Inheritance for the Righteous

"Then the King will say to those on his right, 'Come, you who are blessed by my Father; take your inheritance, the kingdom prepared for you since the creation of the world.'" (Matthew 25:34)

6. Sentence Pronounced on the Disobedient

"Then he will say to those on his left, 'Depart from me, you who are cursed, into the eternal fire prepared for the devil and his angels.'" (Matthew 25:41)

John writes (having seen that revelation), "And I saw the dead, great and small, standing before the throne, and the books

नश्वर को अमरता का वस्त्र पहिनाना है।" (1 कुरिन्थियों 15:51)

ये पहली तीन चीजें व्यावहारिक रूप से एक साथ होने वाली हैं:

- एक तुरही बजेगी
- महादूत की आवाज
- मरे हुए लोग कब्रों से बाहर निकलेंगे, और उस समय के जीवित लोग, उनके साथ, सारी मानवता, आदिकाल से, हवा में पकड़े जाएंगे।

4. एक महान अलगाव—न्याय

"जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा, और सब स्वर्गदूत उसके साथ आएंगे, तब वह स्वर्गीय महिमा में अपने सिंहासन पर विराजमान होगा। सब जातियां उसके साम्हने इकट्ठी की जाएंगी, और वह लोगोंको एक दूसरे से अलग करेगा, जैसा चरवाहा करता है। वह बकरियों में से भेड़ों को [धर्मी को] अपनी दहिनी ओर और बकरियों को [दुष्टों को] अपनी बाईं ओर रखेगा।" (मत्ती 25:31)

5. धर्मियों के लिए विरासत

"तब राजा अपक्की दाहिनी ओर वालों से कहेगा, हे मेरे पिता के धन्य लोगो, आओ; अपना निज भाग ले लो, जो राज्य जगत की उत्पत्ति से तुम्हारे लिये तैयार किया गया है।" (मत्ती 25:34)

6. अवज्ञाकारी पर वाक्य का उच्चारण

"तब वह अपक्की बाईं ओर वालों से कहेगा, हे शापित लोगों, मेरे पास से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।" (मत्ती 25:41)

यूहन्ना लिखता है (उस रहस्योद्घाटन को देखकर), "और मैं ने छोटे, क्या छोटे बड़े मरे हुआं को सिंहासन के साम्हने खड़े देखा, और पुस्तकें खोली गईं। एक और किताब खोली गई, जो जीवन की किताब है। जैसा उन्होंने पुस्तकों में लिखा है, उसके अनुसार मरे हुआं का न्याय किया गया।" (प्रकाशितवाक्य 20:12)

7. पृथ्वी का विनाश

"यहोवा का दिन चोर की नाईं आएगा। आकाश गरजते हुए मिट जाएगा, और सब वस्तुएं आग से नाश हो जाएंगी, और पृथ्वी और उस में सब कुछ उजाड़ दिया जाएगा।" (2 पतरस 3:10)

were opened. Another book was opened, which is the book of life. The dead were judged according to what they had done as recorded in the books." (Revelation 20:12)

7. The destruction of the earth

"The day of the Lord will come like a thief. The heavens¹ will disappear with a roar; the elements will be destroyed by fire, and the earth and everything in it will be laid bare." (2 Peter 3:10)

¹ [The Aerial or atmospheric heavens, as "birds of heaven" or "clouds of heaven and the Sidereal heavens, the region of the "sun," "moon," and "stars]

Time on earth has ended. It is too late to accept God's gift of salvation. Accept Him NOW as "Today is the day of salvation.

Questions

1. At the Judgment Day Christians have an advocate or attorney, Christ, beside them to explain that His blood through immersion into him [baptized into His death] has washed away the stains of sin.
True _____ False _____
2. Satan, that rebellious angel, stands ready to welcome all rebellious ones who refused Christ's invitation.
True _____ False _____
3. Man created in God's image is without excuse as God's eternal power and deity are clearly perceived in things God made.
True _____ False _____
4. When Jesus returns at the end of time on earth, He will send angels to remove from his Kingdom evildoers and throw them into the furnace of fire.
True _____ False _____
5. The furnace of fire or Eternal fire was prepared for the Devil and his angels.
True _____ False _____

¹[हवाई या वायुमंडलीय आकाश, "स्वर्ग के पक्षी" या "स्वर्ग के बादल और नाक्षत्र आकाश, "सूर्य," "चंद्रमा," और "तारों का क्षेत्र]

पृथ्वी पर समय समाप्त हो गया है। भगवान के उद्धार के उपहार को स्वीकार करने में बहुत देर हो चुकी है। उसे अभी स्वीकार करें "आज मोक्ष का दिन है।

प्रश्न

1. न्याय के दिन ईसाइयों के पास एक वकील या वकील, क्राइस्ट होता है, जो यह समझाने के लिए कि उनके रक्त में विसर्जन के माध्यम से [उनकी मृत्यु में बपतिस्मा] ने पाप के दाग धो दिए हैं।
सही गलत _____
2. शैतान, वह विद्रोही स्वर्गदूत, उन सभी विद्रोही लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार है, जिन्होंने मसीह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया था।
सही गलत _____
3. परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया मनुष्य बिना किसी बहाने के है क्योंकि परमेश्वर की अनन्त शक्ति और देवता परमेश्वर की बनाई चीजों में स्पष्ट रूप से देखे जाते हैं।
सही गलत _____
4. जब यीशु पृथ्वी पर समय के अंत में लौटेगा, तो वह अपने राज्य के कुकर्मियों को दूर करने के लिए स्वर्गदूतों को भेजेगा और उन्हें आग की भट्टी में डाल देगा।
सही गलत _____
5. आग की भट्टी या अनन्त आग को शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार किया गया था।
सही गलत _____

International Bible Knowledge Institute - अंतर्राष्ट्रीय बाइबल ज्ञान संस्थान

Electives Studies - वैकल्पिक अध्ययन

Mortal Man From Life to Death - नश्वर मनुष्य जीवन से मृत्यु तक

Planned Redemption - नियोजित मोचन

Creation before Genesis - उत्पत्ति से पहले का निर्माण

What Shall We Do? हम क्या करें?

End of Time on Earth - पृथ्वी पर समय का अंत

Marriage and Divorce - विवाह और तलाक

Silence of the Scriptures - शास्त्रों की चुप्पी

Daniel - डैनियल

First Principles of Christ - मसीह के पहले सिद्धांत

Holy Spirit - पवित्र आत्मा

Types and Metaphors - पवित्र आत्मा

Additional Studies - वैकल्पिक अध्ययन

Today's Church Practices - वैकल्पिक अध्ययन

Compiling and Translating the Bible - बाइबल का संकलन और अनुवाद

Shadows, Types and Prophecies - छाया, प्रकार और भविष्यवाणियां

Teachings & Practices after AD 100 - 100 ईस्वी के बाद की शिक्षाएं और व्यवहार

God's Sabbath - भगवान का सप्ताह

Promises Now and For Evermore - वादे अभी और हमेशा के लिए

God's Rebuilding Process - भगवान की पुनर्निर्माण प्रक्रिया

Living The Maximum Life - अधिकतम जीवन जीना

Real Men are Godly Men - सच्चे पुरुष ईश्वरीय पुरुष हैं

Living For One Another - एक दूसरे के लिए जीना

Greatest Questions Ever Asked - अब तक के सबसे बड़े सवाल

Wonderful Words Of Life - जीवन के अद्भुत शब्द

Lessons From The Cross - क्रॉस से सबक

Jehovah's Witnesses church - यहोवा के साक्षी चर्च

Interesting but not required for BKS award - दिलचस्प है लेकिन बीकेएस पुरस्कार के लिए आवश्यक नहीं

Outlined Bible - उल्लिखित बाइबिल

Summarized - सारांशित बाइबिल

LESSONS AND SERVICES PROVIDED BY *INTERNATIONAL BIBLE KNOWLEDGE INSTITUTE* ARE FREE OF CHARGE.
YOU WILL NEVER BE ASK FOR TUITION OR ANY OTHER FEE. *IBKI* IS NOT AN ACCREDITED INSTITUTION.

अंतर्राष्ट्रीय बाइबल ज्ञान संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ और सेवाएं निःशुल्क हैं। आपसे कभी भी ट्यूशन या कोई अन्य शुल्क नहीं मांगा जाएगा। आईबीकेआई एक मान्यता प्राप्त संस्थान नहीं है।

संस्थान का लक्ष्य परमेश्वर और उसकी इच्छा के बारे में अधिक जानने में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति को बाइबल पाठ उपलब्ध कराना है। पाठों को प्रिंट करने के लिए डाउनलोड किया जा सकता है, ऑनलाइन अध्ययन किया जा सकता है या व्यक्तियों या चर्चों द्वारा ईमेल मंत्रालय में उपयोग किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय बाइबल ज्ञान संस्थान (IBKI) से डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए एक छात्र ने चार आवश्यक पाठ्यक्रम और 7 वैकल्पिक पाठ पूरे किए होंगे।

उन्नत अध्ययन "बीकेएस" (बाइबिल नॉलेज स्कॉलर) पुरस्कार प्राप्त करने के लिए, एक डिप्लोमा अर्जित करने के अलावा एक छात्र ने सभी वैकल्पिक पाठ और 7 अतिरिक्त अध्ययन पूरे कर लिए होंगे।

आईबीकेआई गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पुस्तकों और पाठों को उनकी संपूर्णता में बिना किसी परिवर्तन या शुल्क के पुनः पेश करने की अनुमति देता है।

Course One - The Message | कोर्स एक - संदेश

How Did Everything Get Here? सब कुछ यहाँ कैसे आया?

The Man Who Was God वह आदमी जो भगवान था

Christ - God's Mystery क्राइस्ट - भगवान का रहस्य

Myths About God भगवान के बारे में मिथक

Course Two - Obedience To His Message | पाठ्यक्रम दो - उनके संदेश की आज्ञाकारिता

Time Before Christ मसीह से पहले का समय

Time Christ on the Earth पृथ्वी पर समय मसीह

Time After Christ मसीह के बाद का समय

Time to Decide तय करने का समय

From Death Through The Cross To Life मृत्यु से क्रूस के द्वारा जीवन की

Course Three - A New Spiritual Life In Christ | कोर्स तीन - मसीह में एक नया आध्यात्मिक जीवन

Baptism into Christ मसीह में बपतिस्मा

Life to Death - The Mortal Life

A Kingdom Not Made With Hands हाथों से नहीं बना साम्राज्य

Servants In The Kingdom राज्य में सेवक

Message From The Epistles पत्रियों से संदेश

Worship God In Spirit and Truth आत्मा और सच्चाई से परमेश्वर की आराधना करें

Course Four - Maturing In Christ | कोर्स चार - मसीह में परिपक्व होना

Jesus of Nazareth नासरत का यीशु

Life Of Christ मसीह का जीवन

United in Christ में संयुक्त

Spiritual Milk आध्यात्मिक दूध

Body, Soul, Spirit - Where Do They Go When You Die? शरीर, आत्मा, आत्मा - जब आप मरते हैं तो वे कहाँ जाते हैं?

Living Liberated लिविंग लिबरेटेड

Revelation Of Jesus Christ यीशु मसीह का रहस्योद्घाटन

कृपया इस कार्यक्रम और पाठों के बारे में सभी प्रश्नों को इस पते पर अपने नामित शिक्षक को निर्देशित करें।

Distributed by

Hyderabad & Naidupet Church of Christ,

1-2-168, CBN Colony, Helping Hands Trust,

Naidupet-524 126, A.P,India